■ चैत्र कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 228 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 16-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

सहज स्मृति योग

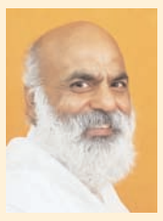

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्षेत्र चाहे कोई भी हो शांति की माँग हर जगह बढ़ती ही जा रही है जबकि आज शांति के लिए प्रयास भी अधिक कर रहे हैं तो फिर यह माँग पूरी क्यों नहीं हो पा रही वास्तविक शांति क्या है ?

उत्तर: शांति मनुष्य के अनुभव में आने वाली परम अद्भुत और रहस्यमयी अवस्था है। यह अस्तित्व की स्थाई अवस्था है।किंतु इसके स्तर अनेक हैं। शांति के इन स्तरों को साधना करने पर व्यक्तिगत समझ, अनुभव और अनुभूति से ही जाना जा पाता है। साधना रत रहने पर वह उत्तरोत्तर अपने 'विषय' होने के द्वैतवादी स्तरों के अनुभवों को पार कर शुद्ध आध्यात्मिक अनुभूति होती जाती है। तब साधक को स्पष्ट होता है कि जिसे प्रचलित अर्थों और सामान्य दैनंदिन जीवन व्यवहार में शांति कहा जाता है वह बहुत ही सतही स्तर पर होने वाला क्रिया व्यवहार होता है। जिस स्तर पर शांति स्थाई होती है उस स्तर पर शांति से अन्य सभी भावों का सृजन और रूपांतरण संभव होता है। अपनी परम अवस्था में शांति को परमात्मा के समकक्ष वास्तविक तत्व होने का संकेत साधक-सिद्ध- भक्त-ज्ञानियों द्वारा किया ही जाता रहा और रहता है।और जब वास्तविकता गूढ़ अर्थ में स्वयं ही शांति है तो शांति की वास्तविकता भला और क्या होगी।

संतश्री वीरेन्द्रमुनि को 'दक्षिण भास्कर' की पदवी से अलंकृत किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सकल जैन संघ मंजुनाथनगर-शिवनगर में होली चातुर्मासार्थ विराजित श्री वीरेन्द्रमुनिजी के सान्निध्य में चौथमलजी म. सा. का 129वां दीक्षा दिवस व विमलमुनिजी का 20वां पुण्यस्मृति दिवस मनाया गया। इस मौके पर वीरेंद्रमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इतिहास शूरवीरों से बनता है, जो अपने लिए नहीं बल्कि संघ और समाज को अपना सम्पूर्ण जीवन न्यौछावर कर देते हैं।

जैन दिवाकर श्री चौथमलजी म.सा ने भी अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के प्रति समर्पित कर दिया था जिसकी वजह से आज भी उनका नाम सम्पूर्ण जैन जगत में श्रद्धा से लिया जाता है। उनकी दीक्षा को 129साल पूर्ण गए हैं । वास्तव में वे मानव जाति के एक मसीहा थे। इस अवसर पर विमलमुनिजी का बीसवां पुण्यस्मृति दिवस भी जप, तप, धर्म-ध्यान सामासिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री कन्हैयालाल सुराणा, राजाजीनगर संघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष ताराचन्द गुगलिया, निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल खिंवेसरा, सुवालाल दक एवं अनेक उपनगरों से श्रद्धालुगण उपस्थित थे। वीरेन्द्रमुनिजी के ऐतिहासिक एवं यशस्वी चातुर्मास सम्पन्न करने के लिए सकल जैन संघ द्वारा वीरेन्द्रमुनिजी को 'दक्षिण भास्कर' की पदवी से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम के पश्चात लाभार्थी संघवी उत्तमचन्द आच्छा, विनोदकुमार मेडतवाल, राजेशकुमार कोठारी, सुरेशकुमार बाघमार परिवार की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री राकेश दलाल एवं गौतमचंद ओस्तवाल ने किया।

मंड्या में मां-बेटी की आत्महत्या मामला, पुलिस ने 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर की दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या, । कर्नाटक के मांड्या में एक महिला और उसकी बेटी की आत्महत्या मामले में 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 50 वर्षीय लक्ष्मी ने गुरुवार को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी बेटी की आत्महत्या के मामले में लापरवाही बरती। लक्ष्मी की बेटी 21 वर्षीय विजयलक्ष्मी ने 21 फरवरी को मंड्या में ट्रेन से कटकर आत्महत्या की। उसके माता-पिता ने मांड्या ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटी ने यह कदम हरिकृष्ण नाम के एक व्यक्ति के कारण उठाया, जिसने प्रेम जाल में फंसाकर उसका शोषण किया और बाद में उसे धोखा दिया।

पुलिस ने कथित तौर पर शिकायत पर कार्रवाई नहीं की और इसके बजाय आरोपियों की जान बचाई। अपनी इकलौती संतान को खोने और अपमान का सामना करने के दर्द को सहने में असमर्थ, लक्ष्मी ने एक सुसाइड नोट लिखा और आत्महत्या कर ली। अपने नोट में उन्होंने लिखा कि उनकी बेटी की मौत के 20 दिन से ज्यादा बीत जाने के बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि हरिकृष्ण के परिवार ने अपनी दबंगई दिखाते हुए बेखौफ होकर काम किया और कानून के साथ छेड़छाड़ की। जब ग्रामीणों ने इस पर सवाल उठाया तो पुलिस ने उनके खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली।

उन्होंने अपने नोट में अपनी बेटी की मौत के लिए न्याय की गुहार लगाई। लक्ष्मी की आत्महत्या के बाद, ग्रामीणों ने पुलिस की लापरवाही पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए, हरिकृष्ण, उसके परिवार के सदस्यों और मामले में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है होली : सुकनमुनि

महावीर जैन भवन गांववालों की भावना और आस्था का फल है : महेन्द्र मुणोत

मुणोत परिवार ने किया जैन भवन का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/लाम्बिया। राजस्थान के लाम्बिया जैन संघ में जैन संत सुकनमुनिजी, अमृतमुनिजी आदि के सान्निध्य में सामूहिक नवकार मंत्र का उच्चारण कर महावीर जैन भवन का उद्घाटन भवन के लाभार्थी महेंद्रकुमार हंसराज मुणोत परिवार ने फीता काटकर किया। इस मौके पर संघ के तत्वावधान में शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें समाज के हर वर्ग के व्यक्ति से भाग लिया। शोभायात्रा गांव के संत गुलाराम आश्रम पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। इस मौके पर सुकनमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है होली। होली पर्व होते हुए भी आज बड़ी संख्या में ग्रामवासी जैन समाज के कार्यक्रम में पहुंचे, जो जैन धर्म के प्रति ग्रामवासियों की आस्था एवं श्रद्धा को दर्शाता है। अमृतमुनिजी ने कहा कि ऐसे भव्य आयोजन गुरु मिश्री की कृपा से ही संभव है। महेशमुनिजी, अखिलेशमुनिजी एवं वरुण मुनिजी ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अमृतमुनिजी की पुस्तक अमृत धारा' का विमोचन खेमचंद बोहरा एवं लांबिया जैन संघ के सदस्यों ने किया। भवन के उद्घाटनकर्ता महेंद्र मुणोत ने कहा कि महावीर जैन भवन केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट, रेत से नहीं बना है इसमें गांव वालों की भावना और आस्था जुड़ी हुई है। गांव वालों के उपयोग हेतु ही इस भवन को बनाया गया है। इस मौके पर गांव के राजपूत,माली, चौधरी, राजपुरोहित, प्रजापत, बागवान, ब्राह्मण एवं विभिन्न समाजों के अध्यक्षों ने मुणोत बंधुओं को सम्मानित किया। लांबिया संघ के चंदनमल मुणोत, संपतराज मुणोत, सुरेश मुणोत एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन हंसराज मुणोत ने किया।

आरआर नगर तेरापंथ महिलाओं ने आयोजित किया स्वरधारा कार्यक्रम व प्रेरणा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर स्वरधारा व प्रेरणा सम्मान का आयोजन आरआर नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने सान्निध्य में तेरापंथ भवन में किया। उपाध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत किया। प्रतियोगिता में 12 सदस्याओं ने नारी शक्ति पर आधारित कविता की प्रस्तुति दी जिसमें वंदना भंसाली प्रथम, पूनम दुगड़ द्वितीय और रुचिका पटावरी तृतीय स्थान पर रहीं। साध्वी पावनप्रभाजी ने कहा कि महिला घर की आधारशिला है । मां जन्म देने वाली होने के साथ ही घर की लक्ष्मी, सरस्वती है।

वह ऐसे घर का निर्माण करती है जिसमें प्यार की छत, विश्वास की दीवार, सहयोग के दरवाजे और अनुशासन की खिड़कियां होती हैं। उन्होंने महिला दिवस के उपलक्ष में विशेष रूप से सभी को संयमनिष्ठ व श्रमनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी।

प्रेरणा सम्मान प्राप्त बिंदु रायसोनी का परिचय आशा लोढ़ा ने दिया। विजय लक्ष्मी मुणोत ने प्रेरणा पत्र का वचन किया। बिंदु रायसोनी को प्रेरणा सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। बिंदु रायसोनी ने कहा, महिलाएं आज भी अपना अस्तित्व खोज रही हैं और हर जगह संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने एक कविता के माध्यम से अपनी बात को पूरा किया। सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने मंडल को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि साध्वी पावनप्रभाजी का होली चातुर्मास मिला है। इसका सभी को अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। संचालन संयोजिका मधु कटारिया एवं सह-संयोजिका पूनम दक ने किया। आभार मंत्री पदमा महेर ने किया ।

कंक्रीट मिक्सर ट्रक कार पर पलटा, तीन यात्री फंसे

बेलगाम । कर्नाटक के बेलगाम में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक कंक्रीट मिक्सर ट्रक एक कार पर पलट गया। हादसे में कार के अंदर तीन यात्री फंस गए, जिन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। यह दुर्घटना बेलगाम के केएलई अस्पताल के पास हाईवे पर हुई, जो पुणे-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर स्थित है। पुलिस के अनुसार, ट्रक कार पर गिर गया, जिससे कार में सवार तीन लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर पुलिस और बचाव दल पहुंचे, जिसके बाद क्रेन की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। फिलहाल, दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और घायल यात्रियों को अस्पताल भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह हादसा बेलगाम एपीएमसी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जिले के डिस्ट्रिक्ट फायर ऑफिसर शशिधर ने बताया, हमें सुबह दुर्घटना की सूचना मिली, जिसके बाद हम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वहां देखा कि लारी कार पर पलट गई थी और दो लोग उसमें फंसे हुए थे।

गुरु इकतीसा पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संतश्री मलयप्रभसागरजी की प्रेरणा से विमलनाथ जैन मंदिर दादावाड़ी बसवनगुड़ी में जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में खरतरगच्छ युवा परिषद द्वारा फाल्गुन पूनम पर दादा गुरुदेव इकतीसा पाठ और भक्ति की गई। अरविंद चोपड़ा और नीतेश बोहरा ने भक्ति की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर खरतरगच्छ युवा परिषद की बेंगलूरु शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित थे। संयोजक विकास पारख और हेमंत गोलेछा ने व्यवस्था संभाली।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु गांधीनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया एवं अशोक श्रीश्रीमाल ने शिव्वमोग्गा के समीप लकवल्ली ग्राम में मुनिश्री पुलकितकुमारजी, नचिकेताकुमारजी, आदित्यकुमारजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर संतों से आगे के विहार कार्यक्रम पर चर्चा हुई।

जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्र का आगामी चातुर्मास सिंधनूर में होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में मुदलियार संघ सभागार में आयोजित होली चातुर्मास प्रसंग पर विशेष प्रवचन में आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी ने महासती शशिप्रभाजी के चातुर्मास का लाभ अलसूर संघ को प्रदान किया। आचार्यश्री ने बताया कि उनका आगामी चातुर्मास कर्नाटक के सिंधनूर में होगा। आचार्यश्री ने कहा कि चातुर्मास आगम का कल्प है और विहार भी कल्प है। चातुर्मास प्राप्त संघों का कर्तव्य है कि वे संयति वर्ग के संयम में सहायक बने। आचार्यश्री ने अन्य साधु साध्वियों के चातुर्मास की घोषणा की। इससे पूर्व डा. मुनि पदमचंद्रजी ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु की निंदा न तो सुननी चाहिए और न करनी चाहिए। शिथिलाचार काल का प्रभाव है। दक्षिण में आने वाले संतों को भाषा की समस्या के कारण गोचरी और रुकने के जगह की समस्या रहती है। संघ समाज को इस ओर सोचना चाहिए। संतश्री जयधुरंधरमुनिजी एवं जयपुरंदरमुनिजी ने भी प्रवचन में होली पर्व के लौकिक और लोकोतर पक्ष पर प्रकाश डाला।

जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री सुरेन्द्र बेताला ने संघ और संत सान्निध्य में होने वाले आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश बोहरा और चेन्नई के पारसमल गादिया ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सभी का स्वागत किया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी के प्रति होली चातुर्मास और चातुर्मास प्रदान करने के लिए संघ की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की।सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य श्री पार्श्वचंद्रजी के प्रति होली चातुर्मास और चातुर्मास प्रदान करने के लिए संघ की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की।मुमुक्षु दिलीपकुमार धोका के सम्मान में वरघोड़े का आयोजन किया तथा मुमुक्षु का अभिनंदन पत्र के साथ सम्मान किया गया।

'जीण माँ के दीवाने' संस्था ने धूमधाम से मनाया होलिकोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'जीण माँ के दीवाने' संस्था के तत्वावधान में होलिकोत्सव का शुक्रवार को केंगेरी स्थित स्कूल में किया गया जिसमें माँ जीण भवानी का भव्य दरबार सजाया गया। सदस्य परिवार ने जीण माता के साथ अबीर, गुलाल और फूलों की होली खेली। भजन व होली धमाल की प्रस्तुति पर भक्तों ने झूम झूम कर एक दूसरे को चंदन, गुलाल लगाकर होली मनाई। इस होलिकोत्सव की व्यवस्था संस्थापक सदस्य राजकुमार अग्रवाल परिवार के सहयोग से की गई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

चैत्र कृष्ण - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 228 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 16-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 गौ रक्षा और गौ संवर्धन हमारी भारतीय संस्कृति का आधार : दीया कुमारी

6 कर्नल एमबी रवींद्रनाथः जब कारगिल की पहाड़ी पर लहराया तिरंगा तो झूम उठा था पूरा भारत

7 अपूर्वा अरोड़ा ने दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी की

फर्स्ट टेक

पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन, अनुशंसा की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली/भाषा। पद्म पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन और सिफारिशें शनिवार को शुरू हुईं। ये पुरस्कार विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों और सेवा के लिए दिए जाते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गणतंत्र दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर घोषित किए जाने वाले अगले वर्ष के पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशों की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और अनुशंसाएं केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी।

64 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के कुल 64 सदस्यों ने शनिवार को तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के सीमावर्ती गांवों के एक एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) सहित विभिन्न कैडर के 64 माओवादियों ने नक्सलवाद का रास्ता छोड़कर अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया। उन्होंने आईजीपी मल्टी-जोन एक और जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। भद्राद्री कोठागुडेम के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि इन 64 सदस्यों सहित कुल 122 माओवादियों ने पिछले ढाई महीने में आत्मसमर्पण किया है।

इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख मारा गया : इराकी प्रधानमंत्री

बगदाद/एपी। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने शुक्रवार को बताया कि इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अब्दल्लाह माकी मोसलेह अल-रिफाई को इराक में एक अभियान के दौरान ढेर कर दिया गया। उसे ''अबु खदीजा'' के नाम से भी जाना जाता था। यह अभियान इराकी राष्ट्रीय खुफिया सेवा और अमेरिकी बलों ने संचालित किया। इराक के प्रधानमंत्री अल-सुदानी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान में कहा, ''इराक के लोग आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी प्रभावशाली जीत जारी रखे हुए हैं।'' बयान में कहा गया कि अबु खदीजा ''आतंकवादी संगठन का 'डिप्टी खलीफा' था और इराक तथा विश्व के सबसे खतरनाक आतंकवादियों में से एक था।'' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार रात अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर कहा, आईएसआईएस के भगोड़े कट्टरपंथी को आज इराक में मार दिया गया।

तमिल एक मधुर भाषा है : वैष्णव

प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हर भाषा को उसका उचित सम्मान मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तमिल को एक 'मधुर' भाषा बताते हुए शनिवार को कहा कि यह देश और दुनिया के लिए बहुत मूल्यवान है।

केंद्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा यह सुनिश्चित किया है कि हर भारतीय भाषा को उसका उचित सम्मान मिले।

हम सभी को अपने देश को बहुत मजबूत बनाने के एक बड़े लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनें।

श्रीपेरंबदूर में जेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के एक विनिर्माण कारखाने के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होते हुए, वैष्णव ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं क्योंकि उन्हें आईआईटी कानपुर में पढ़ाई के दौरान सदगोपन नामक एक प्रोफेसर मिले थे, जिन्होंने उन्हें तमिल भाषा के बारे में सिखाया। अपने भाषण की शुरुआत में तमिल भाषा में पारंपरिक 'वणक्कम' (नमस्ते) के साथ लोगों का अभिवादन करते हुए वैष्णव ने कहा, ''तमिल एक बहुत ही मधुर भाषा है। मैं केवल तीन शब्दों को जानता हूं - वणक्कम, एप्पाडी इरुकेंगा (आप कैसे हैं) और नंद्री (धन्यवाद)।''

आईआईटी कानपुर में सदगोपन के साथ बातचीत का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, ''सदगोपन ने मुझे तमिल भाषा से परिचित कराया और उत्तर भारत में तमिल को आमतौर पर मसाला डोसा के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने मुझे तमिल संस्कृति के कई पहलुओं से परिचित कराया। यह बहुत ही गहरी संस्कृति है, बहुत प्राचीन संस्कृति है। हम सभी तमिल संस्कृति और तमिल भाषा का सम्मान करते हैं। यह हमारे देश की एक संपत्ति है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए।''

वैष्णव ने कहा, ''दूरसंचार और डाटा संरक्षण कानूनों में, हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें प्रेरित किया और पूछा कि नोटिस केवल अंग्रेजी में क्यों होना चाहिए और सभी भारतीय भाषाओं में क्यों नहीं होना चाहिए। इसलिए, उनसे प्रेरणा लेते हुए, हमने कानून में ही कहा है कि संविधान में सभी भाषाएं लोगों के लिए विकल्प के रूप में उपलब्ध होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी को अपने देश को बहुत मजबूत बनाने के एक बड़े लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनें।''

कांग्रेस ने असम में शांति स्थापित नहीं होने दी जबकि मोदी ने इसे बहाल किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देरगांव (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस ने असम में शांति स्थापित नहीं होने दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे बहाल किया, बुनियादी ढांचे का विकास किया और पूर्वोत्तर राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित किया।

शाह गोलाघाट जिले के देरगांव में पुनर्निर्मित लचित बरफुकन पुलिस अकादमी के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्ष में असम में 10,000 से अधिक युवा हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं और राज्य में शांति लौट आई है। असम, जो आंदोलन, हिंसा और उग्रवाद के लिए जाना जाता था, अब यहां सबसे आधुनिक सेमीकंडक्टर उद्योग है। यहां सेमीकंडक्टर इकाई के लिए 27,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है, जो असम का भविष्य बदलने जा रहा है।''

शाह ने यह भी कहा कि हाल ही में संपन्न 'एडवांटेज असम 2.0' व्यापार शिखर सम्मेलन में पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, केंद्र सरकार द्वारा राज्य में तीन लाख करोड़ रुपए की अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''आठ करोड़ लाख रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं से ऐसा माहौल बनेगा कि देशभर से युवा नौकरी के लिए यहां आएंगे।'' उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 2020 में बोडो शांति समझौता, 2021 में कार्बी समझौता, 2022 में आदिवासी शांति समझौता और 2023 में उल्फा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है केंद्र : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने के लिए कृत संकल्पित है।

मेघवाल यहां एक निजी विश्वविद्यालय के नये अकादमिक खंड का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार 'एक देश, एक चुनाव' लागू करने के लिए कृत संकल्पित है। वर्ष 1952, 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे।

मेघवाल ने 'एक देश, एक चुनाव' को देशहित में बताया। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' को निर्वाचन आयोग, हमारी समितियों, नीति आयोग के समूह और फिर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी उच्च स्तरीय समिति ने अपनी सहमति दी है और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी इसे मंजूरी दे दी है।

अमृतसर में मंदिर के बाहर विस्फोट

अमृतसर/भाषा। अमृतसर में एक मंदिर के बाहर हुए विस्फोट से इसकी दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और खिड़कियों के शीशे टूट गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने मंदिर की ओर विस्फोटक उपकरण फेंका। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इससे अमृतसर के खंडवाला क्षेत्र के निवासियों में दहशत फैल गई है। पिछले चार महीनों में अमृतसर और गुरदासपुर में पुलिस चौकियों को निशाना बनाकर विस्फोट की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन मंदिर पर इस तरह का यह पहला हमला है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि यह घटना आप सरकार के तहत बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि शनिवार देर रात करीब दो बजे ठाकुर द्वार मंदिर के पुजारी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर ठाकुर द्वार मंदिर की ओर आते हुए दिखाई देते हैं। कुछ सेकंड रुकने के बाद उनमें से एक व्यक्ति मंदिर की ओर कुछ विस्फोटक सामग्री फेंकता दिखता है और फिर वे मौके से भाग जाते हैं।

देश को 'जीएसटी 2.0' की जरूरत: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की अलग-अलग दरों को लेकर शनिवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पॉपकॉर्न के बाद अब 'डोनट' पर जीएसटी का असर हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि देश को अब जीएसटी 2.0 (जीएसटी के नए संस्करण) की जरूरत है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि सिंगापुर की डोनट चेन 'मैड ओवर डोनट्स' को कथित तौर पर अपने व्यवसाय को गलत वर्गीकृत करने और 5 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए 100 करोड़ रुपए के कर नोटिस मिला है।

डोनट, आटे से बना मीठा और रिंग के आकार का स्नैक्स होता है। इसे आमतौर पर चॉकलेट, आइसिंग, पाउडर चीनी या फल से सजाया जाता है। डोनट कई देशों में लोकप्रिय है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पॉपकॉर्न के बाद अब डोनट पर भी जीएसटी का असर पड़ रहा है। 'मैड ओवर डोनट्स' को 100 करोड़ रुपए के कर के नोटिस का सामना करना पड़ रहा है। डोनट के लिए मशहूर इस ब्रांड को अपने व्यवसाय का गलत वर्गीकरण करने और डोनट पर पांच प्रतिशत जीएसटी (इसे रेस्टोरेंट सर्विस सेवा बताकर) चुकाने का आरोप है, जबकि बेकरी उत्पादों पर 18 प्रतिशत का कर होता है।''

सभी धर्मों के अनुयायियों को प्रभावित करता है धार्मिक भेदभाव : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने कहा है कि वह मुसलमानों के खिलाफ धार्मिक असहिष्णुता की घटनाओं की निंदा करने में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के साथ खड़ा है। साथ ही इस तथ्य को स्वीकार करने की आवश्यकता को रेखांकित किया कि धार्मिक भेदभाव एक व्यापक चुनौती है जो सभी धर्मों के अनुयायियों को प्रभावित कर रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने शुक्रवार को कहा, ''भारत विविधता और बहुलता का देश है। हम दुनिया के लगभग हर बड़े धर्म के अनुयायियों का घर हैं और भारत चार विश्व धर्मों अर्थात् हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म का जन्मस्थान रहा है। 20 करोड़ से ज्यादा नागरिक इस्लाम का पालन करते हैं, इसलिए भारत दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देशों में से एक है।'' हरीश ने इस्लामोफोबिया (इस्लाम को लेकर अनावश्यक भय दिखाना) का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण अधिवेशन की अनौपचारिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक भेदभाव, घृणा और हिंसा से मुक्त विश्व का निर्माण करना अनादि काल से भारत की जीवन पद्धति रही है।

पुतिन की ओर से संघर्ष विराम की शर्तें तय किये जाने के बाद

रूस, यूक्रेन ने एक दूसरे पर हवाई हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन ने शनिवार रात को एक दूसरे पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किये और दोनों पक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों में दुश्मन के 100 से अधिक ड्रोन देखे जाने की सूचना दी। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ से यूक्रेन के साथ युद्ध में 30 दिन के युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव के विवरण पर चर्चा करने के 24 घंटे से भी कम समय बाद हुआ है।

पुतिन ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह सैद्धांतिक रूप में संघर्ष विराम का समर्थन करते हैं, लेकिन उन्होंने कुछ ऐसे मुद्दे भी उठाए जिन्हें इस पर सहमति बनने से पहले स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है।

यूक्रेन ने पहले ही युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन कर दिया है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से संदेह जताया है कि क्या मॉस्को इस तरह के समझौते के लिए प्रतिबद्ध होगा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की मेजबानी में पश्चिमी सहयोगियों के बीच हुई ऑनलाइन बातचीत के बाद शनिवार को कीव में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दीर्घकालिक शांति योजना पर चर्चा के लिए 30 दिन के पूर्ण युद्धविराम प्रस्ताव को अपना समर्थन दिया। उन्होंने हालांकि आशंका जताई कि रूस शर्तों और 'लेकिन' के साथ वार्ता को पटरी से उतारने का प्रयास करेगा। स्टॉर्मर ने यूक्रेन में युद्ध विराम का समर्थन करने के लिए पुतिन पर ''दबाव बनाए रखने'' के लिए सहयोगियों से कहा है। उन्होंने यूक्रेन को ''शांति का पक्षकार''बताया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि पुतिन को ''आज नहीं तो कल''बातचीत की मेज पर आना ही होगा।

जेलेंस्की ने इससे पहले शनिवार को जारी बयान में रूस पर सेना आगे बढ़ाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, ''रूसी सेना का बढ़ना यह दर्शाता है कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना चाहता है। यह स्पष्ट है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है।''

रूस-यूक्रेन युद्ध 24 घंटे में खत्म करने का वादा 'थोड़ा व्यंग्यात्मक' था : ट्रंप

वेस्ट पाम बीच/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को 24 घंटे के भीतर सुलझा सकते हैं, लेकिन उनका यह कथन ''थोड़ा व्यंग्यात्मक'' था। ट्रंप से संबंधित बयान पर सवाल किया गया जिसे उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कई बार दोहराया था। 'फुल मेजर' टेलीविजन कार्यक्रम के लिए एक साक्षात्कार के दौरान उनसे पूछा गया कि उनके प्रशासन को सत्ता संभाले 54 दिन हो चुके हैं, लेकिन युद्ध का समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। रविवार को प्रसारित होने वाले कार्यक्रम से पूर्व जारी क्लिप में ट्रंप ने कहा, ''जब मैंने यह कहा था, तो मैं थोड़ा व्यंग्यात्मक था।

DON'T MISS OUT
THE COOLEST ??ring ????er COLLECTIONS
HI LIFE
EXHIBITION
Fashion | Style | Decor | Luxury
OVER 250+ OF THE FINEST DESIGNERS
16 & 17 MAR
THE LaLiT ASHOK BANGALORE
10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.100

16-03-2025 सूर्यास्त 6:30 बजे | 17-03-2025 सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
73,828.91	22,397.20
(-200.85)	(-73.30)

सोना	चांदी
8,997 रु.	98,863 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पवित्र कौन

मन में यदि हो ना कलुष भेद,
लगता है तब हर व्यक्ति मित्र।
अंतस में हों निर्मल खुशियां,
सुंदर लगते हैं सभी चित्र।
भीतर के हो जब वस्त्र स्वच्छ,
आनंदित करता तभी इत्र।
कथनी करनी हो शुद्ध अगर,
हर महिना दिन होता पवित्र।

हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। जयपुर, पुष्कर, उदयपुर में विदेशी पर्यटकों ने भी होली के त्योहार का लुत्फ उठाया। पुष्कर में अंतरराष्ट्रीय होली महोत्सव में देसी-विदेशी पर्यटकों ने चंग की थाप पर नाच कर मस्ती की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा के कैथूनीपोल इलाके में अपने पुश्तैनी घर पर लोगों को रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर के बजरंगगढ़ स्थित सुभाष उद्यान में होली खेली। कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने देवनानी को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा, रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है। यह हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 अरब डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। पुष्कर के मेला ग्राउंड में आयोजित डीजे पार्टी के दौरान दमकल से पानी की बौछार की गई। इस दौरान संगीत पर पर्यटक जमकर नाचे। अजमेर के वैशाली नगर स्थित निजी समारोह स्थल में शहरवासियों ने एक-दूसरे पर टमाटर फेंककर होली खेली। इसके लिए करीब 4 हजार किलोग्राम टमाटर मंगवाए गए।

टोंक में कोड़ा मार होली खेली गई। महिलाओं ने एक कड़ाह में रंग भरकर रखा। इस रंग के पानी को लेने आए पुरुषों पर जमकर कोड़े बरसाए गए। उदयपुर के जगदीश मंदिर चौक में होली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। जयपुर शहर में अलग-अलग जगहों पर डीजे साउंड लगाया गया। होली खेलने के साथ ही लोगों ने बॉलीवुड गानों पर नृत्य किया।

वहीं, जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के जवानों और महिला जवानों ने होली का पर्व मनाया। सभी ने एक दूसरे को गुलाल लगाया और बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों पर नृत्य किया। इस दौरान सभी जवानों व अधिकारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और होली की शुभकामना दी। जवानों ने रंगों के त्योहार को भाईचारे व शांति के साथ मनाने का संदेश भी दिया।

इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के उत्तर क्षेत्र के उपमहानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठौड़ भी बृहस्पतिवार को सरहद पर पहुंचे और जवानों को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जवानों को रंग लगाया और उनके साथ होली खेली।

पुलिसकर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर होली नहीं मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई जिलों में पुलिस कर्मियों ने पदोन्नति और वेतन विसंगतियों को दूर करने सहित अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में शनिवार को पारंपरिक 'पुलिस होली' कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और पुलिसकर्मियों की मांगों पर गौर करने की मांग की। कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी पुलिसकर्मियों की मांगों का समर्थन किया और कहा कि वे सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे।

परंपरागत रूप से पुलिसकर्मी होली का त्योहार धुलंडी के अगले दिन मनाते हैं क्योंकि त्योहार के दिन वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में तैनात रहते हैं। धुलंडी के अगले दिन वे 'पुलिस होली' कार्यक्रमों में शामिल होते हैं जिनके आयोजन आमतौर पर जिला पुलिस लाइन में होता है। हमेशा की तरह, राज्य भर में पुलिस लाइनों में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा होली कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी हालांकि, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अन्य जिलों में पुलिस लाइनें खाली रहीं। कोटा, भरतपुर, पाली, सवाई माधोपुर और भीलवाड़ा में पुलिसकर्मियों ने जिला पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होली खेली, एक-दूसरे पर गुलाल और रंग लगाया और डीजे की धुन पर नाचते नजर आए। कोटा में जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ डीजे की धुन पर डांस किया। इसी तरह भरतपुर में पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने अफसरों के साथ होली खेली। हालांकि, इन कार्यक्रमों में पुलिसकर्मियों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। भीलवाड़ा के पुलिस ग्राउंड में होली मिलन समारोह रखा गया था। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने होली खेली।

पुलिसकर्मियों की मुख्य मांगें पदोन्नति और वेतन विसंगतियों को लेकर हैं। वे पदोन्नति सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की बैठक समय पर करने, मेस भत्ते में बढ़ोतरी समेत अन्य मांग कर रहे हैं। जयपुर में एक पुलिसकर्मी ने कहा, होली का बहिष्कार हमारी पुरानी मांगों को लेकर है।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा को मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'कल प्रदेशभर में उल्लासपूर्ण एवं शांतिपूर्वक होली मनाने में योगदान देने के बाद आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार कर रहे हैं। मेरी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील है कि अविलंब इस मामले में दखल दें एवं पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें।'

उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष तमाम लंबित मांगों जैसे डीपीसी से प्रमोशन, मैस भत्ता बढ़ाने, साप्ताहिक अवकाश इत्यादि मांगों को लेकर पुलिसकर्मी आज होली का बहिष्कार कर रहे हैं। पूर्व में हमेशा बजट में पुलिसकर्मियों के हित में घोषणा होती थीं। उन्होंने कहा, 'होली सालभर में आने वाला त्यौहार है। हमारे नेता प्रतिपक्ष एवं कई विधायकों ने विधानसभा में भी आपकी इन मांगों को उठाया है एवं आगे भी हम मजबूती से सरकार के समक्ष आपकी मांगों को रखेंगे।

एकमुश्त समझौता योजना से भूमि विकास बैंकों को मिलेगी संजीवनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के ऋणों के लिए एकमुश्त समझौता (जढड) योजना लाए जाने से किसानों और लघु उद्यमियों को तो बड़ी राहत मिलेगी ही कमजोर आर्थिक स्थिति से जूझ रहे भूमि विकास बैंकों के लिए भी राज्य सरकार का यह कदम संजीवनी साबित होगा।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा किसानों और जरूरतमंद लघु उद्यमियों को दीर्घकालीन ऋणों के माध्यम से प्रदेश के कृषि और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई जाती रही है। लेकिन विगत कुछ वर्षों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण ऋणी किसानों द्वारा बैंक के ऋण की किश्तें नहीं चुकाई जा सकीं, जिसके परिणामस्वरूप इन बैंकों का अवधिपार ऋण लगभग 760 करोड़ रुपये हो गया। अब मुख्यमंत्री द्वारा एकमुश्त समझौता योजना लागू करने की घोषणा करते हुए इसके लिए 200 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिससे भूमि विकास बैंकों के ऋणों की वसूली आसान होगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

दक ने कहा कि राज्य सरकार के 'सुराज संकल्प' में किसानों की भूमि नीलाम नहीं होने देने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत भूमि विकास बैंकों द्वारा वसूली के लिए की जाने वाली नीलामी कार्यवाही को भी स्थगित किया हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों का यह वर्ग आशान्वित था कि राज्य सरकार उन्हें राहत देते हुए एकमुश्त समझौता योजना लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के दौरान यह बड़ी घोषणा की है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस घोषणा के तहत भूमि विकास बैंकों के 1 जुलाई, 2024 को अवधिपार हो चुके मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण की मूल धन की 100 प्रतिशत राशि जमा करवाने पर अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के भूमि विकास बैंकों से जुड़े हुए 36,351 अवधिपार ऋणी सदस्यों को अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप उक्त ऋणी सदस्यों को नवीन कृषि और अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा, जिससे उनका आर्थिक उन्नयन होगा और वे पुनरू मुख्यधारा में लौटेंगे।

मुख्यमंत्री पुलिसकर्मियों की मांगों पर करें सकारात्मक फैसला : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील की है कि वह पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें। गहलोत ने शनिवार को यहां अपने बयान में कहा कल प्रदेशभर में उल्लासपूर्ण एवं शांतिपूर्वक होली मनाने में योगदान देने के बाद आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार कर रहे हैं। मेरी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील है कि अविलंब इस मामले में दखल दें एवं पुलिसकर्मियों को होली खेलने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला करें।

उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष तमाम लंबित मांगों जैसे डीपीसी से प्रमोशन, मैस भत्ता बढ़ाने, साप्ताहिक अवकाश इत्यादि मांगों को लेकर पुलिसकर्मी आज होली का बहिष्कार कर रहे हैं। पूर्व में हमेशा बजट में पुलिसकर्मियों के हित में घोषणा होती थीं। होली साल भर में आने वाला त्यौहार है। हमारे नेता प्रतिपक्ष एवं कई विधायकों ने विधानसभा में भी इन मांगों को उठाया है एवं आगे भी हम मजबूती से सरकार के समक्ष मांगों को रखेंगे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तीकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार भी वंदनीय और गौरवशाली सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में हमने राजस्थान दिवस भी अंग्रेजी तारीख की जगह हमारे पंचांग की तिथी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाये जाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नति और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश के आस्था केन्द्रों का तेजी से विकास हो रहा है। हमारे पौराणिक धार्मिक स्थलों को उनका दिव्य एवं भव्य रूप वापस लौटाकर सनातन संस्कृति का उत्थान किया जा रहा है।

गौ रक्षा और गौ संवर्धन हमारी भारतीय संस्कृति का आधार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बस्सी के ग्राम हिंगोनिया में कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट और एच. जी. फाउंडेशन के सहयोग से गौ पुनर्वास केंद्र हिंगोनिया गौशाला में गौ माता की पूजा अर्चना कर हरा चारा खिलाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मंदिर में दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने गोवंशों के लिए पौधारोपण एवं इको फ्रेंडली क्लब हाउस का शुभारंभ किया। 4 टन की क्षमता वाली चारा मिश्रण मशीन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तथा प्राकृतिक आवासीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बांस से बने प्राकृतिक आवासों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह ना केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि इससे पर्यटकों को गौशाला में प्राकृतिक तरीके से रहने का अनुभव भी मिलेगा, जिससे वे प्राकृतिक जीवनशैली और सतत विकास के महत्व को समझ सकेंगे। पर्यावरण स्थिरता की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल गोवंश के संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में भी योगदान देगा। ऐसे नवाचार हमें अपने आसपास के प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूक करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ ही गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। हाल में पेश किए गए राज्य बजट में गौमाता और पशुपालकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रदेशभर में संचालित गौशालाओं को समय पर अनुदान दिया जा रहा हैं। ये सामाजिक सरोकार के कार्य हैं, जिसमें जनसहयोग भी बहुत जरूरी हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए उन्होंने का कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में भी देशवासियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति से सराबोर ये प्राकृतिक क्लब हाऊस ग्रामीण और अग्रो टूरिज्म का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं, जिसके लिए पर्यटन विभाग हर संभव प्रयत्न करेगा।

झुंझुनू में एटीएम से 10 लाख रुपए चुरा ले गए बदमाश

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को रोड नंबर तीन पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपए लूट लिए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तड़के करीब तीन बजे कार में आये बदमाशों ने पहले एटीएम के शटर को नीचे कर दिया और फिर कटर से एटीएम मशीन को काटकर राशि निकाल ली। घटनास्थल पर दो गड्डियां (100-100 रुपये के नोटों की) मिलीं, लेकिन मुख्य मशीन गायब थी। पुलिस को संदेह है कि चोरों ने पूरी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। इस एटीएम में दो दिन पहले ही नकदी डाली गई थी। चोरों को संभवतः यह जानकारी पहले ही थी, लिहाजा उन्होंने पूरी योजना बनाकर इस घटना को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मुलाकात

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को कोटा में अपने आवास पर आगंतुकों से मिलते हुए।

राजसमंद में डांस करते-करते सरपंच की मौत

राजसमंद। राजसमंद में होली के दौरान आदिवासी गेर नृत्य के दौरान एक सरपंच की हार्टअटैक से मौत हो गई। पारंपरिक डांस में सरपंच ग्रामीणों के साथ डांस करते-करते अचानक सिर के बल गिर गए। उन्हें सीपीआर देने की भी कोशिश की गई, लेकिन उन्हें होश नहीं आया। हॉस्पिटल में जांच के बाद डॉक्टर्स ने विकास दवे (53) को मृत घोषित कर दिया। हादसा कुंभलगढ़ विधानसभा की चारभुजा तहसील के कसार गांव का रात करीब 12.30 बजे का है।

सरपंच के परिवार के करीबी विजय शर्मा ने बताया कि सेवंत्री सरपंच विकास दवे गेर डांस में शामिल होने के दौरान बिल्कुल ठीक थे। इस दौरान वे काफी हंस भी रहे थे और पूरे उत्साह के साथ डांस कर रहे थे। डांस के दौरान उन्होंने दो राउंड भी आराम से पूरे कर लिए थे। इस दौरान उनके चेहरे पर कोई थकावट भी नहीं थे। तीसरा राउंड जैसे ही शुरू हुआ सरपंच अचानक गिर गए और बेहोश हो गए। डांस कर रहे ग्रामीणों ने उन्हें पानी पिलाने की भी कोशिश की। एक रिटायर्ड कंपाउंडर ने सीपीआर देकर होश में लाने की भी कोशिश की, लेकिन उनकी आंख नहीं खुली। विकास दवे को बेहोश की हालत में ग्रामीण चारभुजा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें होश में लाने की काफी कोशिश की।

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण
तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाईअड्डा, नई दिल्ली - 110003
फो.: 011-24695044

सार्वजनिक नोटिस

चौथी नियंत्रण अवधि (01.04.2024 से 31.03.2029) के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई (सीएसएमआईए) के हवाई अड्डा टैरिफ निर्धारण हेतु हितधारकों की परामर्श बैठक

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ईआरए) ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई (सीएसएमआईए) के लिए पांच वर्ष की चौथी नियंत्रण अवधि टैरिफ चक्र (01.04.2024 से 31.03.2029) के लिए वैमानिकी सेवाओं हेतु टैरिफ निर्धारण के संबंध में 10.03.2025 को परामर्श पत्र संख्या 08/2024-25 जारी किया है (**जो ईआरए की वेबसाइट यूआरएल www.aera.gov.in**) पर उपलब्ध है।

ईआरए अधिनियम, 2008 की धारा 13(4) के प्रावधान के अनुसार, प्राधिकरण के विभिन्न टैरिफ प्रस्तावों को परामर्श पत्र में निहित प्रासंगिक चर्चाओं के साथ हितधारकों के परामर्श के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

इस संबंध में हितधारकों की परामर्श बैठक हाइब्रिड मोड (भौतिक/ऑनलाइन) में 25 मार्च, 2025 (मंगलवार) को दोपहर 02:30 बजे यहां निर्धारित है:

भारतीय विमानन अकादमी,
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070.

यात्रियों / यात्री संघों, आम जनता, हवाईअड्डा संचालकों, एयरलाइनों, उद्योग संघों / निकायों, कार्गो, ग्राउंड हैंडलिंग और ईंधन फार्म आदि के लिए स्वतंत्र सेवा प्रदाताओं जैसे सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे उक्त बैठक में शामिल हों और सीएसएमआईए हवाईअड्डा, मुंबई टैरिफ प्रस्तावों पर उपर्युक्त परामर्श पत्र पर अपने बहुमूल्य सुझाव / टिप्पणियां / विचार दें।

ऑनलाइन मोड का विकल्प चुनने वाले प्रतिभागी 24 मार्च, 2025 तक **नाम / ईमेल पता /मोबाइल नंबर के साथ** अपना पुष्टीकरण ईमेल द्वारा (**director-ps@aera.gov.in** और **rajan.gupta1aera.gov.in** पर) भेज सकते हैं , ताकि 25 मार्च, 2025 को हितधारकों की बैठक के लिए ऐसे प्रतिभागियों के साथ ऑनलाइन लिंक साझा किया जा सके।

ह/-
सचिव, ईआरए

CBC 03112/12/0017/2425

नर्स हत्या मामला : भाजपा नेता ने 'लव जिहाद' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक में एक नर्स की मौत को लेकर तब सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो गया जब पोस्टमार्टम में उसकी हत्या की पुष्टि हुई। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बसवराज बोम्मई ने इसे 'लव जिहाद' का मामला करार देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से ऐसी घटनाओं में वृद्धि हुई है।

स्वाति ब्यादगी (22) फतेहपुर गांव में तुंगभद्रा नदी के पास मृत मिली थी। वह हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के मसुरु गांव की मूल निवासी थी और रानेबेन्नूर में काम करती थी।

स्वाति तीन मार्च को लापता हो गई थी और बाद में उसका शव मिला। उसके परिवार ने शव की पहचान की। पोस्टमॉर्टम में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी और मामले में नयाज को गिरफ्तार किया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, स्वाति और नयाज के बीच संबंध था और उसने स्वाति से शादी करने का वादा किया था। हालांकि, अपने समुदाय की दूसरी युवती से उसकी शादी तय होने के बाद वह स्वाति से दूरी बनाने लगा। उन्होंने बताया कि जब स्वाति ने उसे धमकी दी कि अगर उसने उसे छोड़ा तो वह उसका पर्दाफाश कर देगी, तो नयाज ने कथित तौर पर उसे मारने की साजिश रची।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, मामले में दो और आरोपी हैं- दुर्गाचारी और विनायक। उन्होंने बहाने से स्वाति को तुंगभद्रा नदी के पास ले जाकर उसकी हत्या में नयाज की मदद की। हत्या के बाद से दुर्गाचारी और विनायक फरार हैं। भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने एक बयान में स्वाति की हत्या की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में 'लव जिहाद' नेटवर्क सक्रिय है और अपराधियों में डर की कमी के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी सजा देने से ही ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकती है। भाजपा नेता ने राज्य सरकार से स्वाति के परिवार को उचित मुआवजा देने और न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बोम्मई ने आरोप लगाया कि जब से कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में आई है, महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

बेंगलूरु कूड़ा संकट को लेकर विधायक हमें 'ब्लैकमेल' कर रहे हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक बेंगलूरु के कचरा संकट को लेकर सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। शिवकुमार ने विधान परिषद में उन्हें 'ब्लैकमेलर' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि ये विधायक विकास निधि में 800 करोड़ रुपये की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को 'एक बड़ा माफिया' नियंत्रित कर रहा है। उपमुख्यमंत्री शहर में कूड़े के मुद्दे पर विधान पार्षद एम. नागराजू के सवाल का जवाब दे रहे थे। नागराजू ने बताया कि कचरा निस्तारण सुविधाओं की कमी के कारण कई कचरा परिवहन वाहन सड़कों पर फंसे हुए हैं। उन्होंने शहर से कचरा साफ न होने पर भी चिंता जताई।

बेंगलूरु विकास मंत्री

शिवकुमार ने विधान परिषद में कहा, मैंने मीडिया में कचरे की समस्या के बारे में खबरें देखी हैं। यहां एक बड़ा माफिया है। कचरा निस्तारण ठेकेदारों ने एक गिरोह बना लिया है और मानक दरों से 85 प्रतिशत अधिक कीमत लगाई है। अब, उन्होंने हमें कार्रवाई करने से रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने आगे दावा किया कि कानूनी बाधाओं के कारण ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को कारगर बनाने के सरकारी प्रयासों में देरी हो रही है।

उप मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि सरकार ने शहर के कचरा निपटान कार्य को चार पैकेजों में विभाजित करने और कचरे को 50 किलोमीटर दूर ले जाने की योजना बनाई थी, लेकिन यह पहल रुकी हुई है। उन्होंने कहा, हमारे बेंगलूरु के विधायक हमें ब्लैकमेल कर रहे हैं। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। मैं आपको सच्चाई बता रहा हूं। वे सभी पार्टियों से हैं। वे विकास निधि के रूप में 800 करोड़ रुपये चाहते हैं। मैं यहां उनका नाम नहीं ले सकता। उन्होंने परिषद को बताया कि पिछले तीन दिनों से शहर के महादेवपुरा में वाहन फंसे हुए हैं।

पानी के शुल्क में एक पैसा प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने पर कर रही है विचार : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार पानी के शुल्क में एक पैसा प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने की योजना बना रही है। उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि बेंगलूरु में पानी के शुल्क में 2014 से संशोधन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि घाटे को देखते हुए 'बेंगलूरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी)' ने प्रति लीटर सात से आठ पैसे की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है।

शिवकुमार ने कहा, लेकिन मैंने उनसे कहा है कि सात-आठ पैसे बहुत ज्यादा हैं। सरकार प्रति लीटर एक पैसे की बढ़ोतरी पर विचार कर रही है। हम कोई निर्णय लेने से पहले शहर के विधायकों के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे।

उपमुख्यमंत्री कांग्रेस विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) रामोजी गौड़ा के सवाल का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने सरकार से आग्रह किया था कि गर्मियों के मौसम को देखते हुए घरों तक कावेरी नदी के पानी की आपूर्ति में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा, पिछला साल हमारे लिए मुश्किल भरा रहा। करीब 7,000 बोरवेल सूख गए, जिससे सरकार को निजी जल टैंकरों का सहारा लेना पड़ा। हमने कावेरी पांचवें चरण की परियोजना को क्रियान्वित किया है, जिससे 110 गांवों को पानी मिल रहा है।

सोना तस्करी मामला : अदालत ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या की जमानत याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आर्थिक अपराधों से संबंधित एक विशेष अदालत ने सोना तस्करी की आरोपी कन्नड अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। मामले के दूसरे आरोपी तरुण राजू को जांच जारी रहने तक 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीजीपी रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या फिलहाल यहां परप्पाना अग्रहारा जेल में बंद हैं। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तीन मार्च को यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या के पास से 12.56 करोड़ रुपये मूल्य की सोने की छड़ें जब्त की थीं। अधिकारियों ने बताया था कि बाद में उनके आवास से 2.06 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये भारतीय मुद्रा भी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान, अधिकारियों को पता चला कि तस्करी में तरुण राजू की भी सहभागिता थी और कथित तौर पर वह भारत के भीतर सोने के परिवहन और वितरण का समन्वय कर रहा था। दोनों को हिरासत में ले लिया गया और सीमा शुल्क अधिनियम तथा तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों को 4 प्रतिशत कोटा के लिए अधिनियम में संशोधन को मंजूरी

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य मुस्लिम ठेकेदारों को निविदाओं में चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंत्रिमंडल ने कर्नाटक ग्राम स्वराज और पंचायत राज (संशोधन) विधेयक को भी मंजूरी दे दी। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल ने हेब्बल में कृषि विभाग की 4.24 एकड़ जमीन को अंतरराष्ट्रीय पुष्प नीलामी बेंगलूरु (आईएफएबी) के लिए दो साल के लिए किराया मुक्त आधार पर देने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की। जनवरी में आग लगने की घटना के बाद 'बेंगलूरु बायोइनोवेशन सेंटर' में उपकरणों के पुनर्निर्माण और प्रतिस्थापन के लिए 96.77 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को मंजूरी देने पर भी चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग में सुधार के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि केपीएससी में सुधार के लिए उपाय सुझाने हेतु एक विशेषज्ञ समिति गठित करने तथा केपीएससी सदस्यों की नियुक्ति हेतु एक खोज समिति गठित करने का निर्णय लिया गया।

महिला दिवस

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शनिवार को बेंगलूरु में भारत जोड़ो हॉल में महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

विधानसभा के उपाध्यक्ष लमानी सड़क दुर्घटना में घायल

चित्रदुर्गा/दक्षिण भारत। कर्नाटक विधानसभा के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा मनप्पा लमानी शुक्रवार शाम हिरियूर तालुक में एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा, चोटें गंभीर नहीं हैं, चिंता की कोई बात नहीं है। यह दुर्घटना जावनगोंडानाहल्ली के पास उस समय हुई, जब लमानी बेंगलूरु से हावेरी जिले में अपने गृहनगर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, लमानी एक जगह किसी काम से अपनी कार से बाहर निकले थे, तभी एक दोपहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गए। दुर्घटना में लमानी के माथे और पैर में चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि विधानसभा उपाध्यक्ष को पहले हिरियूर के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और आगे के इलाज के लिए दावणगेरे के एसएस हाई-टेक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

इसरो ने एलवीएम3-एम6 मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति तप्त परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित अपने प्रणोदन परिसर में एलवीएम 3 प्रक्षेपण यान (एलवीएम-एम 6) के छठे परिचालन मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति तप्त परीक्षण सफलतापूर्वक किया है। इन परीक्षणों के जरिए इंजन की गुणवत्ता और उप-प्रणालियों के कामकाज का आकलन किया जाता है। एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो द्वारा विकसित तीन-चरणों वाला मध्यम-उत्तोलक प्रक्षेपण यान है।

इसरो ने एक बयान में कहा कि प्रत्येक मिशन में क्रायोजेनिक इंजन को उड़ान के लिए स्वीकृति प्रक्रिया के हिस्से के रूप में तप्त परीक्षण से गुजरना पड़ता है। 'एलवीएम3 के क्रायोजेनिक ऊपरी चरण' में प्रयुक्त होने वाले स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन (सीई20) के लिए अब तक तप्त परीक्षण इसरो प्रपल्शन कॉम्प्लेक्स' (आईपीआरसी) के बेहद-ऊंचाई परीक्षण (एचएटी) केन्द्र में किए जाते थे, जहां अधिकतम तप्त परीक्षण अवधि 25 सेकंड तक रहती है।

इसरो ने कहा, वर्तमान परीक्षण में पहली बार 100 सेकंड की लंबी अवधि के लिए इंजन का परीक्षण किया गया और इसमें गैर निर्वात स्थितियों में नवोन्मेषी नोजल प्रोटेक्शन सिस्टम' का इस्तेमाल किया गया।

कर्नाटक में मुस्लिम ठेकेदारों को आरक्षण असंवैधानिक : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कर्नाटक सरकार के सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को असंवैधानिक करार देते हुए इसकी आलोचना की और आरोप लगाया कि यह कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा है और इससे राष्ट्रीय एकता कमजोर होगी। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विपक्षी दलों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस का नेतृत्व करना चाहते हैं।

प्रसाद ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार द्वारा मुस्लिम ठेकेदारों के लिए आरक्षण तय करने के फैसले के पीछे राहुल गांधी का हाथ है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के पास यह फैसला लेने का साहस या राजनीतिक सामर्थ्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए अलग आरक्षण की घोषणा ने सांप्रदायिक और वोट बैंक की राजनीति को नया आयाम दिया है। पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि ऐसा निर्णय छोटा लग सकता है, लेकिन इस तरह के घटनाक्रमों के राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर परिणाम होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस तरह की प्रतिस्पर्धी तुष्टीकरण की राजनीति की कोई सीमा है और क्या सिनेमा और रेल टिकट खरीदने के लिए मुसलमानों की अलग कतारें लगेंगी।

प्रसाद ने दावा किया कि ऐसे फैसले उन मुसलमानों की आवाज को भी कमजोर करते हैं जो ऐसी राजनीति के खिलाफ हैं और देश के विकास के लिए खड़े हैं। प्रसाद ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मुसलमानों के लिए अलग व्यवहार की कई मांगों का परिणाम अंततः देश का विभाजन हुआ। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ मुखर तरीके से राय रखी है और विश्वास व्यक्त किया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के फैसले को अदालतों में चुनौती दी जाएगी।

प्रसाद ने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी संविधान को समझते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित अन्य राज्य भी कर्नाटक के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं और भाजपा इसका विरोध करेगी। प्रसाद ने कहा कि संविधान में सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण का प्रावधान है और विभिन्न राज्यों में मुसलमानों को भी इसका लाभ मिला है।

कर्नाटक सरकार ने मुस्लिम ठेकेदारों को सरकारी निविदाओं में चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को अपनी मंजूरी दे दी है।

प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रतिस्पर्धी वोटबैंक और मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति में नया मापदंड स्थापित कर रही है और यह देश के लिए खतरनाक है। भाजपा नेता ने कहा कि संविधान के तहत धर्म आधारित आरक्षण अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना भले ही चले गए हों, लेकिन अपने पीछे वे लोग छोड़ गए हैं जो उनकी राजनीति करते हैं। प्रसाद ने कहा, देश में बड़ी संख्या में मुसलमान अब ऐसी राजनीति पसंद नहीं करते।

प्रसाद ने कहा कि भाजपा मौलाना अबुल कलाम आजाद और पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसी मुस्लिम हस्तियों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अंडमान और निकोबार क्षेत्र में एक द्वीप का नाम परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हामिद के नाम पर रखा है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस नेता इन दिनों भाजपा पर निशाना साधने के लिए भीम राव आंबेडकर की तस्वीरें लेकर घूमते हैं। उन्होंने आंबेडकर द्वारा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की इस बात के लिए की गई आलोचना का हवाला दिया कि नेहरू मुसलमानों के लिए बोलते हैं, लेकिन अनुसूचित जातियों के कल्याण की बात नहीं करतें।

अभिनंदन

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में 5 साल पूरे किए जाने पर शनिवार को बेंगलूरु के सदाशिव नगर में उनके आवास पर एमएलसी दिनेश गूली गौड़ा और कांग्रेस नेता वेंकटरमण गौड़ा (स्टार चंद्रू) द्वारा उनका अभिनंदन किया गया।

केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने पेयजल परियोजनाओं के लिए 4 लाख करोड़ के आवंटन का किया ऐलान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकूर। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार पेयजल परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 4 लाख करोड़ रुपये का आवंटन करेगी और इसे 2028 तक बढ़ाया जाएगा। सोमन्ना ने यह घोषणा तुमकुर में एक कार्यक्रम के दौरान की, जहां उन्होंने पूर्व सांसद बसवराज को अपने प्रयासों में शामिल होने और एक साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके पद पर रहने तक बसवराज को उनका समर्थन और मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

इस अवसर पर सोमन्ना ने यह भी स्पष्ट किया कि वे किसी के सुझावों का आंख मूंदकर पालन नहीं करते। उन्होंने कहा, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो हर बात का अक्षरशः पालन करता है। मेरे पास अपना दृष्टिकोण और 45 वर्षों का अनुभव भी है जिसे मैं साझा करूंगा। केंद्रीय मंत्री ने रेलवे परियोजनाओं के वित्तपोषण में राज्य सरकार की ओर से सहयोग न मिलने की बात कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। सोमन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने फैसला लिया है कि रेलवे ओवरब्रिज और अंडरपास के निर्माण के लिए केंद्र सरकार धन मुहैया कराएगी।

इस मौके पर, सोमन्ना ने कर्नाटक राज्य सरकार की आलोचना भी की और कहा कि उनके बार-बार प्रयासों के बावजूद तुमकुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर श्री शिवकुमार स्वामीजी के नाम पर रखने की मंजूरी में देरी हो रही है। उन्होंने 90 करोड़ की परियोजना पर प्रगति की कमी को उजागर किया और राज्य सरकार से तेजी से काम करने का आग्रह किया।

राज्य पुलिस के प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल सोने की तस्करी में किया गया : अदालत से डीआरआई

बेंगलूरु। राजस्व खुफिया निदेशालय ने अदालत में कहा है कि कर्नाटक पुलिस प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी गिरोह में किया गया था। रान्या को जमानत देने के खिलाफ अपनी दलील में केंद्रीय एजेंसी ने आर्थिक अपराधों के लिए विशेष अदालत को बताया कि आरोपी ने इस साल जनवरी से 27 बार दुबई की यात्रा की थी। रान्या डीजीपी रैंक के अधिकारी के रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। वह कर्नाटक राज्य पुलिस आवास और बुनियादी ढांचा विकास निगम के प्रबंध निदेशक हैं। डीआरआई ने कहा, अब तक की जांच में सोने की तस्करी में इस्तेमाल की गई परिष्कृत कार्यप्रणाली, सुरक्षा को दरकिनार करने के लिए राज्य पुलिस प्रोटोकॉल अधिकारी का इस्तेमाल, सोना खरीदने के लिए भारत से दुबई में धन स्थानांतरित करने के लिए हवाला लेनदेन और बड़े गिरोह की संलिप्तता का पता चला है। इन दलीलों के बाद अदालत ने शुक्रवार को रान्या को जमानत देने से इनकार कर दिया।

सोना तस्करी मामला

रान्या राव ने डीआरआई पर मारपीट और जबरन हस्ताक्षर कराने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोना तस्करी मामले में मुख्य आरोपी कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या ने आरोप लगाया कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने उससे मारपीट की और उसे खाली व पहले से लिखे कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया।

रान्या ने बेंगलूरु में डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को संबोधित छह मार्च को लिखे एक पत्र में दावा किया कि उन पर झूठा मामला थोपा गया है। उन्होंने पत्र में कहा कि दुबई से लौटने पर उनके खिलाफ 14 किलोग्राम से अधिक सोना ले जाने का गलत आरोप लगाया गया था। रान्या राव नाम से मशहूर हर्षवर्धिनी रान्या ने आरोप लगाया, आपके अधिकारियों ने मुझे यह बताने की अनुमति नहीं दी कि मैं इस मामले में निर्दोष हूं।

अभिनेत्री ने दावा किया कि हिरासत में लिए जाने से लेकर अदालत में पेश किए जाने तक उसे 10 से 15 बार थप्पड़ मारे गए। उन्होंने आरोप लगाया, बार-बार मारपीट और थप्पड़ मारे जाने के बावजूद मैंने उनके (डीआरआई अधिकारियों) द्वारा तैयार किए गए बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। रान्या ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें पहले से कुछ लिखे 50 से 60 और लगभग 40 खाली पन्नों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया।

अभिनेत्री ने दावा किया, अधिकारियों में से एक ने मुझसे कहा कि अगर वह हस्ताक्षर नहीं करेगी तो वे मेरे पिता का नाम और पहचान उजागर कर देंगे, भले ही हम जानते हैं कि वह इसमें शामिल नहीं हैं। रान्या पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। रामचंद्र राव वर्तमान में कर्नाटक राज्य पुलिस आवास और अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

रान्या ने 'माणिक्य' सहित कई फिल्मों में भी अभिनय किया है। डीआरआई ने पहले एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि दुबई से आने पर तीन मार्च को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रान्या के पास से 12.56 करोड़ रुपये की सोने की छड़ें जब्त की गई थीं। विज्ञप्ति के मुताबिक, रान्य के आवास की तलाशी के बाद अधिकारियों ने 2.06 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की नकदी भी बरामद की थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

सुविचार

उपदेश देना सरल है,
पर उपाय बताना कठिन।
-रवीन्द्रनाथ टैगोर

ट्वीट

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के पूज्य पिताजी श्री कदम सिंह जी का निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। प्रभु श्री राम पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है।

-सचिन पायलट

कहानी

प्रायश्चित

भगवतीचरण वर्मा

अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी तो रामू की बहू से, और अगर रामू की बहू घर-भर में किसी से घृणा करती थी तो कबरी बिल्ली से। रामू की बहू, दो महीने हुए मायके से प्रथम बार ससुराल आई थी, पति की प्यारी और सास की दुलारी, चौदह वर्ष की बालिका। भंडार-घर की चाभी उसकी करधनी में लटकने लगी, नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा, और रामू की बहू घर में सब कुछ; सासजी ने माला ली और पूजा-पाठ में मन लगाया।

लेकिन ठहरी चौदह वर्ष की बालिका, कभी भंडार-घर खुला है तो कभी भंडार-घर में बैठे-बैठे सो गई। कबरी बिल्ली को मौक़ा मिला, घी-दूध पर अब वह जुट गई। रामू की बहू की जान आफ़त में और कबरी बिल्ली के छक्के-पंजे। रामू की बहू हाँडी में घी रखते-रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में। रामू की बहू दूध ढककर मिसरानी को जिन्स देने गई और दूध नदारद। अगर बात यहीं तक रह जाती, तो भी बुरा न था, कबरी रामू की बहू से कुछ ऐसा परच गई थी कि रामू की बहू के लिए खाना-पीना दुश्वार। रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी पहुँची और रामू जब आए तब तक कटोरी साफ़ चटी हुई। बाज़ार से बालाई आई और जब तक रामू की बहू ने पान लगाया बालाई ग़ायब। रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो वही घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली ही। मोर्चाबंदी हो गई, और दोनों सतर्क। बिल्ली फँसाने का कठघरा आया, उसमें दूध बालाई, चूहे, और भी बिल्ली को स्वादिष्ट लगने वाले विविध प्रकार के व्यंजन रखे गए, लेकिन बिल्ली ने उधर निगाह तक न डाली। इधर कबरी ने सरगर्मी दिखलाई। अभी तक तो वह रामू की बहू से डरती थी; पर अब वह साथ लग गई, लेकिन इतने फ़ासिले पर कि रामू की बहू उस पर हाथ न लगा सके।

कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं सास की मीठी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता था रूखा-सूखा भोजन।

एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई। पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह-तरह के मेवे दूध में ओटे गए, सोने का वर्क चिपकाया गया और खीर से भरकर कटोरा कमरे के एक ऐसे ऊँचे ताक़ पर रखा गया, जहाँ बिल्ली न पहुँच सके। रामू की बहू इसके बाद पान लगाने में लग गई।

उधर बिल्ली कमरे में आई, ताक़ के नीचे खड़े होकर उसने ऊपर कटोरे की ओर देखा, सूँघा, माल अच्छा है, ताक़ की ऊँचाई अंदाज़ी। उधर रामू की बहू पान लगा रही है। पान लगाकर रामू की बहू सासजी को पान देने चली गई और कबरी ने छलाँग मारी, पंजा कटोरे में लगा और कटोरा झनझनाहट की आवाज़ के साथ फ़र्श पर।

आवाज़ रामू की बहू के कान में पहुँची, सास के सामने पान फेंककर वह दौड़ी, क्या देखती है कि फूल का कटोरा टुकड़े-टुकड़े, खीर फ़र्श पर और बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है। रामू की बहू को देखते ही कबरी चपत।

रामू की बहू पर ख़ून सवार हो गया, न रहे बाँस, न बजे बाँसुरी, रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर कमर कस ली। रात-भर उसे नींद न आई, किस दाँव से कबरी पर वार किया जाए कि फिर ज़िंदा न बचे, यही पड़े-पड़े सोचती रही। सुबह हुई और वह देखती है कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से उसे देख रही है।

रामू की बहू ने कुछ सोचा, इसके बाद मुस्कुराती हुई वह उठी। कबरी रामू की बहू के उठते ही खिसक गई। रामू की बहू एक कटोरा दूध कमरे के दरवाज़े की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ में पाटा लेकर वह लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है। मौक़ा हाथ में आ गया, सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी न हिली, न डुली, न चीख़ी, न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।

आवाज़ जो हुई तो महरी झाड़ू छोड़कर, मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर घटनास्थल पर उपस्थित हो गईं। रामू की बहू सर झुकाए हुए अपराधिनी की भाँति बातें सुन रही है।

महरी बोली- अरे राम! बिल्ली तो मर गई। माँजी, बिल्ली की हत्या बहू से हो गई, यह तो बुरा हुआ। मिसरानी बोली- माँजी, बिल्ली की हत्या और आदमी की हत्या बराबर है, हम तो रसोई न बनाएँगी, जब तक बहू के सिर हत्या रहेगी।

सास जी बोलीं- हाँ, ठीक तो कहती हो, अब जब तक बहू के सर से हत्या न उतर जाए, तब तक न कोई पानी पी सकता है, न खाना खा सकता है, बहू, यह क्या कर डाला? महरी ने कहा- फिर क्या हो, कहो तो पंडितजी को बुलाय लाई। सास की जान-में-जान आई- अरे हाँ, जल्दी दौड़ के पंडितजी को बुला लो।

बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई-पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया। चारों तरफ़ से प्रश्नों की बौछार और रामू की बहू सिर झुकाए बैठी।

पंडित परमसुख को जब यह ख़बर मिली, उस समय वह पूजा कर रहे थे। ख़बर पाते ही वे उठ पड़े-पंडिताइन से मुस्कुराते हुए बोले- भोजन न बनाना, लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली, प्रायश्चित होगा, पकवानों पर हाथ लगेगा।

पंडित परमसुख चौबे छोटे-से मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, मूँछ बड़ी-बड़ी, रंग गोरा, चोटी कमर तक पहुँचती हुई। कहा जाता है कि मथुरा में जब पसेरी ख़ुराकवाले पंडितों को ढूँढ़ा जाता था, तो पंडित परमसुखजी को उस लिस्ट में प्रथम स्थान दिया जाता था।

पंडित परमसुख पहुँचे और कोरम पूरा हुआ। पंचायत बैठी-सासजी, मिसरानी, किसनू की माँ, छन्नू की दादी और पंडित परमसुख। बाक़ी स्त्रियाँ बहू से सहानुभूति प्रकट कर रही थीं।

किसनू की माँ ने कहा- पंडितजी, बिल्ली की हत्या करने से कौन नरक मिलता है?

पंडित परमसुख ने पत्रा देखते हुए कहा- बिल्ली की हत्या अकेले से तो नरक का नाम नहीं बतलाया जा सकता, वह महूरत भी मालूम हो, जब बिल्ली की हत्या हुई, तब नरक का पता लग सकता है। यही कोई सात बजे सुबह- मिसरानीजी ने कहा।

पंडित परमसुख ने पत्रे के पन्ने उलटे, अक्षरों पर उँगलियाँ चलाईं, माथे पर हाथ लगाया और कुछ सोचा। चेहरे पर धुंधलापन आया, माथे पर बल पड़े, नाक कुछ सिकुड़ी और स्वर गंभीर हो गया- हरे कृष्ण! हे कृष्ण! बड़ा बुरा हुआ, प्रातःकाल ब्रह्म-मुहूर्त में बिल्ली की हत्या! घोर कुंभीपाक नरक का विधान है! रामू की माँ, यह तो बड़ा बुरा हुआ।

रामू की माँ की आँखों में आँसू आ गए- तो फिर पंडितजी, अब क्या होगा, आप ही बतलाएँ!

पंडित परमसुख मुस्कुराए- रामू की माँ, चिंता की कौन-सी बात है, हम पुरोहित फिर कौन दिन के लिए हैं? शास्त्रों में प्रायश्चित का विधान है, सो प्रायश्चित से सब कुछ ठीक हो जाएगा। रामू की माँ ने कहा- पंडितजी, इसीलिए तो आपको बुलवाया था, अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?

किया क्या जाए, यही एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए-जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो घर अपवित्र रहेगा, बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए। छन्नू की दादी बोली- हाँ और क्या, पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली अभी दान दे दी जाए और पाठ फिर हो जाए।

रामू की माँ ने कहा- तो पंडितजी, कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए?

पंडित परमसुख मुस्कुराए, अपनी तोंद पर हाथ फेरते हुए उन्होंने कहा- बिल्ली कितने तोले की बनवाई जाए? अरे रामू की माँ, शास्त्रों में तो लिखा है कि बिल्ली के वज़न-भर सोने की बिल्ली बनवाई जाए। लेकिन अब कलियुग आ गया है, धर्म-कर्म का नाश हो गया है, श्रद्धा नहीं रही। सो रामू की माँ, बिल्ली के तौल भर की बिल्ली तो क्या बनेगी, क्योंकि बिल्ली बीस-इक्कीस सेर से कम की क्या होगी, हाँ, कम-से-कम इक्कीस तोले की बिल्ली बनवाकर दान करवा दो और आगे तो अपनी-अपनी श्रद्धा!

रामू की माँ ने आँखें फाड़कर पंडित परमसुख को देखा- अरे बाप रे! इक्कीस तोला सोना! पंडितजी यह तो बहुत है, तोला-भर की बिल्ली से काम न निकलेगा?

पंडित परमसुख हँस पड़े- रामू की माँ! एक तोला सोने की बिल्ली! अरे रुपया का लोभ बहू से बढ़ गया? बहू के सिर बड़ा पाप है, इसमें इतना लोभ ठीक नहीं! मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ग्यारह तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

इसके बाद पूजा-पाठ की बात आई। पंडित परमसुख ने कहा- उसमें क्या मुश्किल है, हम लोग किस दिन के लिए हैं रामू की माँ, मैं पाठ कर दिया करुँगा, पूजा की सामग्री आप हमारे घर भिजवा देना। पूजा का सामान कितना लगेगा?

अरे, कम-से-कम में हम पूजा कर देंगे, दान के लिए क़रीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मन-भर तिल, पाँच मन जौ और पाँच मन चना, चार पसेरी घी और मन-भर नमक भी लगेगा। बस, इतने से काम चल जाएगा।

अरे बाप रे! इतना सामान! पंडितजी इसमें तो सौ-डेढ़ सौ रुपया ख़र्च हो जाएगा-रामू की माँ ने रुआँसी होकर कहा।

फिर इससे कम में तो काम न चलेगा। बिल्ली की हत्या कितना बड़ा पाप है, रामू की माँ! ख़र्च को देखते वक़्त पहले बहू के पाप को तो देख लो! यह तो प्रायश्चित है, कोई हँसी-खेल थोड़े ही है-और जैसी जिसकी मरजादा, प्रायश्चित में उसे वैसा ख़र्च भी करना पड़ता है। आप लोग कोई ऐसे-वैसे थोड़े हैं, अरे सौ-डेढ़ सौ रुपया आप लोगों के हाथ का मैल है।

पंड़ित परमसुख की बात से पंच प्रभावित हुए, किसनू की माँ ने कहा- पंडितजी ठीक तो कहते हैं, बिल्ली की हत्या कोई ऐसा-वैसा पाप तो है नहीं-बड़े पाप के लिए बड़ा ख़र्च भी चाहिए।

छन्नू की दादी ने कहा- और नहीं तो क्या, दान-पुन्न से ही पाप कटते हैं। दान-पुन्न में किफ़ायत ठीक नहीं। मिसरानी ने कहा- और फिर माँजी आप लोग बड़े आदमी ठहरे। इतना ख़र्च कौन आप लोगों को अखरेगा।

रामू की माँ ने अपने चारों ओर देखा-सभी पंच पंडितजी के साथ। पंडित परमसुख मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा- रामू की माँ! एक तरफ़ तो बहू के लिए कुंभीपाक नरक है और दूसरी तरफ़ तुम्हारे ज़िम्मे थोड़ा-सा ख़र्चा है। सो उससे मुँह न मोड़ो।एक ठंडी साँस लेते हुए रामू की माँ ने कहा- अब तो जो नाच नचाओगे नाचना ही पड़ेगा।

पंडित परमसुख ज़रा कुछ बिगड़कर बोले- रामू की माँ! यह तो ख़ुशी की बात है-अगर तुम्हें यह अखरता है तो न करो, मैं चला-इतना कहकर पंडितजी ने पोथी-पत्रा बटोरा। अरे पंडितजी-रामू की माँ को कुछ नहीं अखरता- बेचारी को कितना दु:ख है-बिगड़ो न!- मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ ने एक स्वर में कहा।

रामू की माँ ने पंडितजी के पैर पकड़े-और पंडितजी ने अब जमकर आसन जमाया।

और क्या हो? इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा, कुछ रुककर पंडित परमसुख ने कहा- सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मण के भोजन का फल मिल जाएगा।

यह तो पंडितजी ठीक कहते हैं, पंडितजी की तोंद तो देखो! मिसरानी ने मुस्कुराते हुए पंडितजी पर व्यंग किया। अच्छा तो फिर प्रायश्चित का प्रबंध करवाओ, रामू की माँ ग्यारह तोला सोना निकालो, मैं उसकी बिल्ली बनवा लाऊँ-दो घंटे में मैं बनवाकर लौटूँगा, तब तक सब पूजा का प्रबंध कर रखो-और देखो पूजा के लिए

पंडितजी की बात ख़त्म भी न हुई थी कि महरी हाँफती हुई कमरे में घुस आई और सब लोग चौंक उठे। रामू की माँ ने घबराकर कहा- अरी क्या हुआ री? महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा-माँजी, बिल्ली तो उठकर भाग गई!

- 'हिन्दीवी.ओआरजी' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

मिलें होली, खेलें होली

क्यों बाहर रंग तलाशता मनुष्य/
अपने भीतर देखो रंगों का इंद्रधनुष..,

जिसकी अपने भीतर का इंद्रधनुष देखने की दृष्टि विकसित हो ली, बाहर की दुनिया में उसके लिए नित मनती है होली। रासरचैया उन आँखों में हर क्षण रचाते हैं रास, उन आँखों का स्थायी भाव बन जाता है फाग।

फाग, गले लगने और लगाने का रास्ता दिखाता है पर उस पर चल नहीं पाते। जानते हो क्यों? अहंकार की बढ़ी हुई तोंद अपनत्व को गले नहीं लगने देती। वस्तुत: दर्प, मद, राग, मत्सर, कटुता का दहन कर उसकी धूलि में नेह का नवांकुरण है होली।

नेह की सरिता जब धाराप्रवाह बहती है तो धारा न रहकर राधा हो जाती है। शाश्वत प्रेम की शाश्वत प्रतीक हैं राधारानी। उनकी आँखों में, हृदय में, रोम-रोम में प्रेम है, श्वास-श्वास में राधारमण हैं।

सुनते हैं कि एक बार राधारमण गंभीर रूप से बीमार पड़े। सारे वैद्य हार गए। तब भगवान ने स्वयं अपना उपचार बताते हुए कहा कि उनकी कोई परमभक्त गोपी अपने चरणों को धो कर यदि वह जल उन्हें पिला दे तो वह ठीक हो सकते हैं। परमभक्त सिद्ध न हो पाने भय, श्रीकृष्ण को चरणामृत देने का संकोच जैसे अनेक कारणों से कोई गोपी सामने नहीं आई। राधारानी को ज्यों ही यह बात पता लगी, बिना एक क्षण विचार किए उन्होंने अपने चरण धो कर प्रयुक्त जल भगवान के प्राशन के लिए भेज दिया।

वस्तुत: प्रेम का अंकुरण भीतर से होना चाहिए। शब्दों को वर्णों का समुच्चय समझने वाले असंख्य आए, आए सो असंख्य गए। तथापि जिन्होंने शब्दों का मोल, अनमोल समझा, शब्दों को बाँचा भर नहीं बल्कि भरपूर जिया, प्रेम उन्हीं के भीतर पुष्पित, पल्लवित, गुंफित हुआ। शब्दों का अपना मायाजाल होता है किंतु इस माया में रमनेवाला मालामाल होता है। इस जाल से सच्ची माया करोगे, शब्दों के अर्थ को जियोगे तो सीस देने का भाव उत्पन्न होगा। जिसमें सीस देने का भाव उत्पन्न हुआ, ब्रह्मरस प्रेम का उसे ही आसीस मिला।

प्रेम ना बाड़ी ऊपजै / प्रेम न हाट बिकाय/
राजा, परजा जेहि रुचै / सीस देइ ले जाय...

बंजर देकर उपजाऊ पाने का सबसे बड़ा पर्व है धूलिवंदन। शीश देने की तैयारी हो तो आओ सब चलें, सब लें प्रेम का आशीष..!

इंद्रधनुष का सुलझा गणित / रंगी-बिरंगी छटाएँ अंतर्निहित / अंतस में पहले सद्भाव जगाएँ /नित-प्रति तब होली मनाएँ।....

मिलें होली, खेलें होली! ..शुभ होली।

बोध कथा

बेशकीमती फूलदान

कई साल पहले की बात है। विजयनगर नाम का एक राज्य था, जहां के राजा कृष्णदेव राय थे। कृष्णदेव राय हर साल विजयनगर का वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाते थे। पड़ोसी राज्यों से अच्छी मित्रता होने के कारण वहां के राजा भी इस उत्सव में शामिल होते थे और राजा कृष्णदेव राय को उपहार व भेंट देते या भेजवाते थे। हर साल की तरह इस बार भी विजयनगर वार्षिक उत्सव मनाया गया और इस अवसर पर राजा कृष्णदेव राय को चार बेशकीमती फूलदान उपहार में मिलें।

फूलदानों को देखते ही राजा का मन उन पर आ गया, और ऐसा होता भी क्यों न? उन सभी फूलदानों की शोभा देखते ही बनती थी। उन्हें देखकर ऐसा लगता था मानों प्रकृति के सभी रंगों को मिलाकर उन्हें रंगा गया हो व गहन नक्काशी से तराशा गया हो। जब बात इन फूलदानों की देखरेख की आई, तो महल के सबसे काबिल सेवक रमैया को इसका कार्यभार सौंपा गया। रमैया भी खूब ध्यान से उनका ख्याल रखने लगा। वह उन पर कभी धूल न लगने देता, बड़े सलीके से फूलों को सजाता व फूलों से बढ़कर फूलदानों की देखरेख करता।

ऐसे ही एक दिन जब वह फूलदान साफ कर रहा था तो अचानक एक फूलदान उसके हाथों से फिसलकर जमीन पर जा गिरा और चूर-चूर हो गया। यह देखकर वह डरकर वहीं जम गया। इस बात की खबर जब राजा कृष्णदेव राय तक पहुंची तो वह गुस्से से आगबबूला हो गए। उन्होंने आवेश में आकर सेवक रमैया को फांसी की सजा सुना दी। बेचारा रमैया फांसी की सजा सुनकर रोने व कांपने लगा। उसी सभा में राजा के प्रिय अष्ट दिग्गजों में से एक तेनालीराम भी बैठे थे और यह सब देख रहे थे। उन्होंने राजा को इस विषय में कुछ समझाना चाहा और अपनी राय देनी चाही। उस समय राजा का गुस्सा सातवें आसमान पर था और वे किसी की भी बात सुनने को राजी नहीं थे। इसलिए स्थिति को भांपते हुए तेनालीराम ने चुप रहना ही ठीक समझा। फांसी का दिन तय किया गया। सेवक रमैया का रो-रोकर बुरा हाल था। ऐसे में जब तेनालीराम रमैया से मिलने के लिए गए तो रमैया उनसे अपने प्राणों को बचाने की गुहार लगाने लगा। तेनालीराम ने रमैया के कानों में धीरे से कुछ कहा, जिसे सुनकर उसके चेहरे के भाव कुछ शांत हुए और उसने अपने आंसू पोंछे। आखिरकार फांसी का दिन भी आ ही गया। रमैया निश्चिंत, शांत खड़ा था। फांसी देने से पहले रमैया से उसकी आखिरी इच्छा पूछी गई। रमैया ने झट से जवाब में कहा कि वह मरने से पहले बचे हुए तीनों फूलदानों को एक अंतिम बार देखना व छूना चाहता है। सभी को उसकी यह इच्छा सुनकर बहुत हैरानी हुई। आदेशानुसार तीनों फूलदानों को मंगवाया गया। रमैया ने पहले सभी फूलदानों को निहारा, उन्हें धीरे से उठाया और एक-एक करके सभी फूलदानों को जमीन पर पटक दिया जिससे वे टूट कर बिखर गए। राजा यह देखकर गुस्से से लाल हो गए और उन्होंने रमैया से पूछा, मूर्ख! तेरी इतनी हिम्मत। बोल तूने ऐसा दुस्साहस क्यों किया? रमैया ने थोड़ा मुस्कुराकर जवाब दिया, मेरे भूल के कारण आपका एक बेशकीमती फूलदान टूट गया, जिसकी वजह से मुझे मृत्युदंड मिल रहा है। अगर भविष्य में किसी सेवक द्वारा ये तीनों फूलदान गलती से टूट जाते हैं तो मैं नही चाहता कि उन्हें भी मेरी तरह मृत्युदंड मिले और ये दिन देखना पड़े। इसलिए मैंने स्वयं ही बाकी बचे हुए फलदानों को तोड़ दिया। यह सुनकर राजा का गुस्सा शांत हुआ। उन्हें समझ में आ गया कि किसी व्यक्ति की जिंदगी एक निर्जीव फूलदान से बढ़कर नहीं हो सकती है, तथा वह गुस्से में आकर एक तुच्छ वस्तु के लिए किसी भी व्यक्ति के प्राण नहीं ले सकते। उन्होंने सेवक रमैया को उसकी गलती के लिए माफ कर दिया। साथ में खड़े तेनालीराम यह सब देख मंद-मंद मुस्कुरा रहे थे। राजा ने रमैया से पूछा कि 'तुम्हें ऐसा करने को किसने कहा था?' रमैया ने राजा को सारी बात बताई कि ऐसा तेनालीराम ने उसे करने को कहा था। यह सुनते ही राजा ने तेनालीराम को गले से लगा लिया और कहा, तेनालीराम, आज तुमने मुझे बहुत बड़ी भूल करने से बचा लिया और साथ ही एक काबिल सेवक की जान भी बचा ली।

वीर गाथा

कर्नल एमबी रवींद्रनाथ: जब कारगिल की पहाड़ी पर लहराया तिरंगा तो झूम उठा था पूरा भारत

कर्नल मागोद बसप्पा रवींद्रनाथ का जन्म 15 मई, 1959 को कर्नाटक के कुंदूर गांव में हुआ था। वे 7 जून, 1980 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग ऑपरेशन, प्वाइंट 4590 और एरिया थ्री पिंपल्स (एरिया ब्लैक रॉक) में अद्भुत पराक्रम दिखाया था।

एमबी रवींद्रनाथ ने गहरी सूझबूझ के आधार पर रणनीति बनाई और अपनी टोही टीम का शानदार नेतृत्व किया, जब दुश्मन उन पर भारी गोलाबारी कर रहा था। 12 जून, 1999 को जब तोलोलिंग ऑपरेशन जारी था, उनकी अग्रणी कंपनी पर दुश्मन ने खूब गोले बरसाए थे।

एमबी रवींद्रनाथ ने धैर्य रखा, हालात पर काबू पाया और आखिरकार तोलोलिंग एवं प्वाइंट 4590 पर भारतीय सेना का कब्जा हो गया। इसके लिए एमबी रवींद्रनाथ और साथी जवानों को कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। चूंकि दुश्मन फौजी पहाड़ पर कई बंकर बनाकर छिपे हुए थे। वे नीचे अच्छी तरह से नजर रख सकते थे।

कर्नल रवींद्रनाथ ने अपने सैन्य कौशल से दुश्मन के हमले को विफल किया और तोलोलिंग एवं प्वाइंट 4590 पर पकड़ मजबूत की। तोलोलिंग ऑपरेशन के क्रम में बटालियन को 28 जून की रात को ब्लैक रॉक क्षेत्र पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उस हमले के दौरान हमलावर कंपनी के दो अधिकारी वीरगति को प्राप्त हो गए थे। यह देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान था, लेकिन एमबी रवींद्रनाथ ने अपने जवानों का हौसला बनाए रखा। उन्होंने हमले का नेतृत्व किया और ब्लैक रॉक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया।

इस खबर से पूरे भारत में उत्साह की लहर दौड़ गई थी। वहीं, पाकिस्तानी फौज के हौसले पस्त हो गए थे। उसके फौजी मैदान छोड़कर भागने लगे थे।

कर्नल एमबी रवींद्रनाथ ने कारगिल युद्ध में भारत की जीत सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके द्वारा किया गया वीरता का प्रदर्शन अनुकरणीय है। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया था। वे साल 2001 में सेना से सेवानिवृत्त हुए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

नई दिल्ली में 2025-26 के बजट और ग्रामीण विकास पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को किसान प्रतिनिधियों द्वारा प्रतीकात्मक हल से सम्मानित किया गया।

अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और वरुण धवन ने मनाया रंगों का त्योहार

नई दिल्ली/भाषा। अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा जोनास, वरुण धवन और माधुरी दीक्षित समेत कई बॉलीवुड सितारों ने शुक्रवार को होली के त्योहार की शुभकामनाएं दीं। बॉलीवुड सितारों ने होली की बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया।

अक्षय ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ''होली की शुभकामनाएं।''

फिल्म की शूटिंग कर रहीं प्रियंका ने 'इंस्टाग्राम' पर तस्वीरों की एक शृंखला साझा की। उन्होंने लिखा, ''यह हमारे लिए कामकाजी होली है। मैं सभी को अपने प्रियजनों के साथ प्रसन्नता और एकजुटता से भरी होली की शुभकामनाएं देती हूं।''

उद्घाटन

मुंबई के कांदिवली पश्चिम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'आनंदी मासिक धर्म और स्वच्छता प्रबंधन' कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

युद्ध विराम समझौता लागू होने पर ही अमेरिकी-इजराइली बंधक रिहा किया जाएगा : हमास

काहिरा। हमास ने शनिवार को कहा कि वह एक अमेरिकी-इजराइली बंधक को तभी रिहा करेगा, जब इजराइल युद्ध विराम समझौते को लागू करेगा। इसने कहा कि यह समझौता लागू होने पर ही चार बंधकों के शव देगा और एक अमेरिकी-इजराइली बंधक को रिहा करेगा। गाजा पट्टी में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम आठ लोग मारे गए, जिनमें एक स्थानीय पत्रकार भी शामिल है। फलस्तीनी चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि युद्ध विराम के दूसरे चरण के लिए लंबे समय से विलंबित वार्ता रिहाई के दिन से शुरू होनी चाहिए और 50 दिन से अधिक नहीं चलनी चाहिए। इजराइल को मानवीय सहायता पर रोक लगाना बंद करना होगा तथा मिस्र के साथ गाजा की सीमा पर स्थित रणनीतिक गलियारे से भी हटना होगा।

एक अधिकारी ने बताया कि हमास बंधकों के बदले में और अधिक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई की भी मांग करेगा। हमास के सात अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान 21 वर्षीय एडन अलेक्जेंडर को अगवा कर लिया गया था। हमास की गिरफ्त में अब भी कुल 59 बंधक हैं, जिनमें से 35 को मार दिये जाने की आशंका है। इंडोनेशियाई अस्पताल ने बताया कि शनिवार को उत्तरी शहर बेत लाहिया के एक ही क्षेत्र में हुए दो हवाई हमलों में जान गंवाने वाले आठ लोगों के शव लाये गये। उत्तरी गाजा में आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फरेस अवाद ने मृतकों में से एक की पहचान स्थानीय पत्रकार महमूद इस्लाम के रूप में की, जो ड्रोन उड़ा रहा था। इजराइल की ओर से हमास के प्रस्ताव पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शुक्रवार को हमास पर ''मनोवैज्ञानिक युद्ध'' छेड़ने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने कहा कि उसने बुधवार को युद्ध विराम को कुछ और सप्ताह बढ़ाने का प्रस्ताव पेश किया है, क्योंकि दोनों पक्ष स्थायी युद्धविराम के लिए बातचीत कर रहे हैं। वरिष्ठ हमास नेता खलील अल-हय्या के शुक्रवार को काहिरा पहुंचने के बाद मिस्र में वार्ता जारी रही। मिस्र और कतर ने युद्ध विराम तक पहुंचने में हमास के साथ प्रमुख मध्यस्थ के रूप में काम किया।

स्पेसएक्स ने नासा के फंसे हुए अंतरिक्ष यात्रियों का स्थान लेने के लिए नया दल अंतरिक्ष स्टेशन भेजा

केप कैनवेरल । अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लंबे समय से फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए शुक्रवार रात एक यान को रवाना किया गया। इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। नासा चाहता है कि अंतरिक्ष स्टेशन में यह नया दल वहां मौजूद विलियम्स और विल्मोर से मुलाकात करे ताकि विल्मोर और विलियम्स 'ऑर्बिटिंग लैब' में होने वाली घटनाओं के बारे में नए लोगों को बता सकें। माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी स्पेस सेंटर से कक्षा में पहुंचने वाले इस नए दल में नासा के ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं तथा दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों एयरलाइन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। ये चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

उड़ान के कुछ ही मिनटों बाद मैक्लेन ने कहा, ''अंतरिक्ष उड़ान मुश्किल है, लेकिन इंसान उससे भी अधिक जटिल है।'' विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

रूस को शांति से किसी तरह के खिलवाड़ की इजाजत नहीं : ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर

लंदन/भाषा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने रूस के खिलाफ तथाकथित 'गठबंधन' को मजबूत करने के लिए शनिवार को 25 देशों के नेताओं के साथ डिजिटल तरीके से हुई एक बैठक की मेजबानी की। रूस तीन वर्ष से अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहा है। स्टॉर्मर ने लंदन में '10 डाउनिंग स्ट्रीट' से कहा, हम पुतिन को राष्ट्रपति ट्रंप के समझौते से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति समझौते पर चर्चा के लिए बैठक में यूक्रेन, यूरोपीय संघ (ईयू), उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं के शामिल होने की उम्मीद थी। यह बैठक अगले सप्ताह होने वाली सैन्य योजना सत्र से पहले हुई।

ये सभी देश अगले सप्ताह होने वाली बैठक में क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सैन्य तैनाती की प्रकृति पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा, अगर पुतिन शांति बहाली को लेकर गंभीर हैं, तो यह बहुत सरल है। उन्हें यूक्रेन पर अपने बर्बर हमलों को रोकना होगा और युद्ध विराम पर सहमत होना होगा। दुनिया देख रही है।

स्टॉर्मर ने रूसी प्रशासन पर ट्रंप के 30-दिवसीय युद्ध विराम प्रस्ताव की 'पूर्ण अवहेलना' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, इससे सिर्फ यह पता चलता है कि पुतिन (रूसी राष्ट्रपति) शांति बहाली को लेकर गंभीर नहीं हैं। अगर रूस आखिरकार बातचीत करना चाहता है, तो हमें युद्ध विराम की निगरानी करने के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शांति स्थायी है। अगर वह (पुतिन) ऐसा नहीं करते हैं, तो हमें इस युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने की जरूरत है।

स्टॉर्मर ने पुतिन पर युद्ध विराम से पहले व्यापक अध्ययन करने का आह्वान कर मामले को टालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, दुनिया कुछ कदम उठाते हुए देखने चाहती है, न कि अध्ययन या खोखली बयानबाजी और निरर्थक शर्तें। क्रेमलिन को मेरा संदेश इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। यूक्रेन पर बर्बर हमले हमेशा के लिए बंद कर दें और अभी युद्ध विराम पर सहमत हो जाएं। तब तक हम शांति स्थापित करने के लिए चौबीसों घंटे काम करते रहेंगे।

अपूर्वा अरोड़ा ने दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी परियोजना की शूटिंग पूरी कर ली है। यह फिल्म भारत में थिएटर कलाकारों के जीवन को दर्शाती है। शूटिंग के दौरान अपूर्वा दिल्ली के बीचों-बीच पहुँचीं, जहाँ उन्होंने मंडी हाउस और चांदनी चौक में 15 दिनों तक शूटिंग की, ये दोनों स्थान शहर की समृद्ध सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत से गहराई से जुड़े हुए हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए, अपूर्वा ने कहा, यह मेरे द्वारा अब तक देखे गए सबसे सुखद सेटों में से एक रहा है। टीम के साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा और सेट पर बिताया गया हर दिन संतुष्टिदायक लगा। अपूर्वा ने निर्देशक तेजस शुकुल के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और कहा, उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। वे हमेशा सुझावों के लिए तैयार रहते थे और इससे पूरी प्रक्रिया और भी मज़ेदार हो गई। दिल्ली में शूटिंग करना अपूर्वा के लिए एक खास अनुभव था, क्योंकि शहर की जीवंत ऊर्जा ने फिल्म में एक प्रामाणिक स्पर्श जोड़ा। उन्होंने कहा, मंडी हाउस और चांदनी चौक जैसी जगहों पर 15 दिन फिल्मांकन करना अविस्मरणीय था। ये स्थान इतिहास और संस्कृति से भरे हुए हैं, और उन्होंने फिल्म में एक अनूठा आकर्षण लाया है। अब फिल्मांकन समाप्त होने के साथ, अपूर्वा फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं और उम्मीद करती हैं कि दर्शक कहानी से उतना ही जुड़ेंगे जितना उन्होंने किया था। उन्होंने कहा, यह प्रोजेक्ट वास्तव में खास रहा है, और मुझे उम्मीद है कि मैं इस खुशी को अपनी अगली फिल्म में भी जारी रखूंगी।

शर्मीलेपन को दूर करने और अभिनय में निपुण बनने के लिए सनी देओल चले गए थे विदेश?

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल ने बताया है कि शर्मीलेपन को दूर करने और अभिनय में निपुण बनने के लिए वह 19 साल की उम्र में भारत छोड़कर विदेश चले गए थे, जहां उन्होंने थिएटर स्कूल से प्रशिक्षण लिया। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' इस हफ्ते सनी देओल के सम्मान में एक खास एपिसोड लेकर आ रहा है! आगामी फिल्म 'जाट' की स्टारकास्ट इस शो में शिरकत करेगी, जिसमें सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार मंच की रौनक बढ़ाएंगे। इस खास मौके पर 'आइडल का आशीर्वाद फेस' रागिनी, सनी देओल की डेब्यू फ़िल्म बेताब के मशहूर गाने 'जब हम जवां होंगे' की सुरीली प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर देंगी।

सनी देओल ने कहा, रागिनी ने मुझे उस वक्त वापस पहुंचा दिया जब हमने यह गाना शूट किया था। इस गाने को पूरा करने में हमें कई दिन लगे,क्योंकि मौसम बार-बार बदल रहा था, और हमें सही परिस्थितियों का इंतजार करना पड़ा था। लेकिन इस फिल्म की शूटिंग किसी पिकनिक से कम नहीं थी, हमने खूब मस्ती की। यह मेरी सबसे पसंदीदा और मजेदार फिल्मों में से एक थी। कोई टेंशन नहीं, कोई ओवरथिंकिंग नहीं।बस फन ही फन!

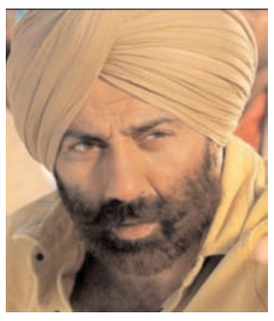

जिस तरह से तुमने यह गाना गाया, मैं सचमुच उस दौर में लौट गया। मुझे यह भी याद आ गया कि इस फिल्म में सोनू निगम जी ने मेरे बचपन का किरदार निभाया था। इसके बाद बादशाह ने सनी देओल से पूछा, आपको कब एहसास हुआ कि आपको फिल्मों में आना है? क्या यह बचपन से ही आपका सपना था?

सनी देओल ने जवाब दिया, बचपन में मैं इन सबसे काफी दूर था, लेकिन जैसा कहते हैं, यह सब जीन्स में होता है। कहीं न कहीं मेरे अंदर यह जुनून पहले से था। मैं अपने पिता (धर्मेंद्र) के साथ बड़ा हुआ, उनकी हर फिल्म देखी, और बिना सोचे-समझे मैं भी उसी रास्ते पर चल पड़ा। बचपन में हम सिर्फ मस्ती किया करते थे, पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, लेकिन स्कूल खत्म होने के बाद यह तय करना था कि आगे क्या करना है। तभी मैंने फैसला किया कि मुझे एक्टर बनना है। मैं तब लगभग 19-20 साल का था। मैं बहुत शर्मीला था, इसलिए मैंने खुद को अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकालने का सोचा। मैंने विदेश जाकर एक थिएटर स्कूल जॉइन किया, जहां कोई मुझे नहीं जानता था। वहीं से मैंने काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ने लगा। वहीं से मेरी जर्नी शुरू हुई। फिर मैं भारत लौटा और 'बेताब', 'अर्जुन', 'डकैत' जैसी फिल्मों में काम किया। इंडियन आइडल 15 का यह खास एपिसोड इस शनिवार और रविवार रात 8:30 बजे सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

फिल्म 'कृष्णा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के यूथ स्टार विमल पांडेय, प्रीति सिंह तथा वधेश मिश्रा के शानदार अभिनय से सजी भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म कृष्णा का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।टेक्नीशियन फ़िल्म फ़ैक्टरी के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म 'कृष्णा' का निर्माण फिल्म निर्देशक से निर्माता बने पराग पाटिल और डीओपी से फिल्म निर्माता बने आर आर प्रिंस (राकेश रोशन सिंह) ने किया है।

फिल्म का निर्देशन आनंद सिंह ने किया है। फिल्म कृष्णा में विमल पांडेय, प्रीति सिंह, अवधेश मिश्रा, निशा तिवारी, संजय पांडेय, बीना पांडेय आदि हैं।

फ़िल्म के लेखक प्राण नाथ हैं। डीओपी सूरज यादव हैं। सिंगर ज्योति शर्मा, काजल राज, सुगम सिंह और ज्योति मिश्रा हैं। संगीतकार साजन मिश्रा, गीतकार शेखर मधुर, अमरेश भट्ट, धरम हिंदुस्तानी, एडीटर प्रवीण एस राय, कार्यकारी निर्माता अखिलेश राय, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, सोनू प्रीतम, आकाश जायसवाल हैं। डीआई इंदर यादव ने किया है।पोस्ट प्रोडक्शन लोटस स्टूडियो में किया गया है। प्रोडक्शन अमरेश आनंद त्रिपाठी ने किया है। आर्ट डायरेक्टर पवन, फाइट मास्टर दिनेश यादव हैं।

अभिनेत्री सोनम कपूर शनिवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँचते ही तस्वीरों के लिए पोज़ देती हुईं।

कार्तिक आर्यन और मलाइका अरोड़ा ने फिल्म 'माय मेलबर्न' की स्पेशल स्क्रीनिंग में की शिरकत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने सितारे कार्तिक आर्यन और मलाइका अरोड़ा ने बहुप्रतीक्षित एंथोलॉजी फिल्म माय मेलबर्न की स्पेशल स्क्रीनिंग में शिरकत की। फिल्म माय मेलबर्न का निर्देशन फिल्म इंडस्ट्री के चार बेहतरीन फिल्ममेकर कबीर खान, इम्तियाज़ अली, ओनिर और रीमा दास ने किया है। इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म की निर्माता मितु भौमिक लैंगे, पूरी कास्ट और क्रू, और चारों निर्देशक कबीर खान, इम्तियाज़ अली (अपने भाई आरिफ अली के साथ), ओनिर और रीमा दास मौजूद थी। इस खास मौके पर कई बॉलीवुड सितारे भी नज़र आए, जिनमें शूजीत सरकार, रसिका दुगल, आहाना कुमरा, अमित साध, निमृत कौर अहलूवालिया, करण टैकर, अंशुमन झा, अरुषि शर्मा, विजय कृष्ण आचार्य, ऋत्विक धंजानी, मेधा शंकर और कई अन्य शामिल थे। फिल्म माय मेलबर्न में चार अनोखी कहानियां शामिल हैं, जो प्रवासन, पहचान, और जिजीविषा जैसे विषयों को दर्शाती हैं। यह फिल्म भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा की बेहतरीन प्रतिभाओं को एक मंच पर लेकर आती है।

कार्तिक आर्यन ने कहा, फिल्म माय मेलबर्न ,भारत के सबसे पसंदीदा फिल्ममेकर्स द्वारा बनाई गई एक बेहद अहम फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यह फिल्म देखने का मौका मिला। यह एक ऐसी फिल्म है जो विनम्र, सहानुभूति और दयालुता को दिखाती है।

मुझे लगता है कि हर किसी को यह फिल्म देखनी चाहिए और इसे प्यार देना चाहिए। माय मेलबर्न एक ऐसी फिल्म है, जिससे आप पहली ही बार में प्यार कर बैठेंगे। इस फिल्म की पूरी टीम के लिए मेरे दिल में बहुत सारा प्यार है। खासकर मितु, जो इस फिल्म की रीढ़ हैं और उन्होंने इसे बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। साथ ही कबीर सर, इम्तियाज़ सर, ओनिर सर, और रीमा मैम, और सभी कलाकारों ने शानदार काम किया है। फिल्म माय मेलबर्न ,भारत में 14 मार्च को रिलीज़ होने वाली है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 16-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

सभी के चेहरे खिले हुए थे, सभी श्रद्धालु खुशी से झूम रहे थे, महिलाएं सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल थीं, छोटे छोटे बच्चे विभिन्न वेशभूषा में झूमकर चल रहे थे, सबसे आगे संतों की श्वेत सेना चल रही थी मानो वरघोड़े का नेतृत्व कर रही हो।

प्रभु केसरिया आदिनाथ के दीक्षा कल्याणक पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

सप्तम दिवस का आयोजन दिव्यता, भव्यता और श्रद्धा का अनूठा संगम बना

रात्रिकालीन नाट्य मंचन व भक्ति कार्यक्रम में दिखा भक्तों का उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सभी के चेहरे खिले हुए थे, सभी श्रद्धालु खुशी से झूम रहे थे, महिलाएं सिर पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल थीं, छोटे छोटे बच्चे विभिन्न वेशभूषा में झूमकर चल रहे थे, सबसे आगे संतों की श्वेत सेना चल रही थी मानो वरघोड़े का नेतृत्व कर रही हो। वरघोड़े में संतों के पीछे रजत रथ में प्रभु आदिनाथ की प्रतिमा सभी को आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़ रही थी। लाभार्थी परिवार अश्व बग्गी में अपने हाथों में दीक्षा लेने जा रहे केसरिया आदिनाथ की प्रतिमा लेकर अपने आप को धन्य मान रहे थे। वरघोड़े में प्रभु प्रतिमा के बाद घोड़ों को समाज की युवतियां कन्नड़ ध्वज व जैन ध्वज लेकर चल रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो स्थानीय समुदाय व प्रवासी समुदाय का कोई सम्मिलित कार्यक्रम चल रहा हो। घोड़े पर बैठी युवतियों के पीछे खुली जीप को चलाती युवती और जीप के आगे बोनट पर हाथों में कन्नड़ ध्वजा लिए हुए युवती मानो महिला सशक्तिकरण का संदेश देती प्रतीत हो रही थीं। पैदल चल रही विभिन्न महिला मंडलों की सदस्याएं अपने अपने मंडल के गणवेश में कतारबद्ध चलते हुए वरघोड़े को और भी शानदार व राजसी बना रही थीं। विभिन्न लाभार्थी अश्वबग्गी में बैठ का शोभायात्रा का आकर्षण बढ़ा रहे थे। व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न मंडल व संघ के सदस्य अपने अपने विशेष गणवेश में अपने आप को दूसरे से अलग दर्शाते हुए भी एक महसूस कर रहे थे। मंडल के सदस्य हाथों में लम्बी रस्सी लेकर वरघोड़े की व्यवस्था संभाल रहे थे तो बीच बीच में संगीत मंडल के युवा विभिन्न वाद्ययंत्रों, विशेषकर बड़े बड़े ढोल बजाते हुए पूरे माहौल को संगीतमय बना रहे थे। वरघोड़े के रास्ते में विभिन्न संघ के सदस्यों द्वारा विभिन्न पेयजल की व्यवस्था कर अपने आप को भी वरघोड़े का हिस्सा बना रहे थे। वरघोड़े व संतों के दर्शन के लिए सड़कों के दोनों ओर खड़े पुरुष व महिला श्रद्धालु जय जय बोलो आदिनाथ के नारे का घोष कर रहे थे। ऐसा अद्भुत व मनमोहक माहौल था शनिवार को सुबह शहर के आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के दीक्षा कल्याणक के वरघोड़े का।

आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी व श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी के सान्निध्य में शनिवार को नेशनल ग्राउंड से प्रभु केसरिया आदिनाथ भगवान के दीक्षा कल्याणक की शोभायात्रा की शुरुआत हुई जो वीवी पुरम, शंकरपुरम के विभिन्न मार्ग से होती हुई किम्स अस्पताल के सामने निर्मित अयोध्या नगरी पहुंची। मंदिर में दीक्षा विधि व अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। मंदिर में दीक्षा कल्याणक विधि-विधान के दौरान गुरुदेव ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा के दीक्षा के समय नवलोकांतिक देव विनती करते हैं। तीन लोक के सर्वज्ञ ज्ञानी होने पर भी भगवान आचार को मानते हैं।

गुरुदेव ने मंत्रोच्चार के साथ 'करेमि भंते' पाठ उच्चारित कर ऋषभ कुमार को दीक्षा प्रदान की। साथ ही, गुरुदेव ने सभी उपस्थित भक्तों को संदेश देते हुए कहा, हमें भी चारित्र,मोहनीय कर्म का उपशम कर विरति धर्म को अंगीकार करना चाहिए। अयोध्यानगरी में संतों के मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सबसे पहले लाभार्थी परिवार प्रभु आदिनाथ की प्रतिमा के साथ सभागार में पहुंचे तथा सभी उपस्थित जनों को दीक्षार्थी प्रभु आदिनाथ के दर्शन करवाएं। उसके बाद अमरध्वजा के लाभार्थी पारसमल मुकेश राकेश पुनमिया परिवार ध्वजा के साथ सभागार पहुंचे और आचार्यश्री से आशीर्वाद लिया। स्टेज प्रोगाम में पंच कल्याणककार विनीत गेमावत ने संगीतमय ढंग से दीक्षा कल्याणक के प्रसंग का मंचन करवाया। शंकरपुरम महिला मंडल-मंगल कलश ने सभी का स्वागत किया।

दीक्षा कल्याणक स्टेज कार्यक्रम के पश्चात दोपहर में महिलाओं हेतु विशेष मेहंदी वितरण और बड़ी सांझी का आयोजन किया जिसमें खुशबु कुंभट एवं अभिलाषा बांठिया के भक्ति गीतों ने वातावरण को भाव-विभोर कर दिया। शाम 6 बजे नियोजित लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया। संघ की ओर से महत्वपूर्ण लाभार्थी परिवार महालक्ष्मी सिल्क ट्रेडर्स, मानिक सिल्क एंपोरियम, उत्तम सिंडिकेट, शगुन, एसएम फिन्को, ड्रेसकोड, ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। रात को 7 बजे मुंबई के सुप्रसिद्ध रंग प्रोडक्शन की ओर से 'मोक्षगति' नाटक प्रस्तुति ने सभी को मोक्षमार्ग-संयममार्ग की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। केसरिया आदिनाथ बालिका मंडल द्वारा नवीन पीढ़ी और परंपरा के बीच संवाद पर आधारित नाटिका की प्रस्तुति ने सब का मन मोह लिया।

भोजपुरी समाज सेवा समिति ने मनाया रंग एवं उमंग का त्यौहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भोजपुरी समाज सेवा समिति द्वारा विवेक नगर स्थित कॉरपोरेशन स्कूल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समिति के सदस्य, सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे शामिल हुए। होली कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन एवं चंदा सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। पंडित जटाशंकर मिश्रा ने मंगलाचरण किया। समिति के सचिव गिरीशचंद्र पांडेय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री सुनीता पांडेय ने संचालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिपु मर्दन कुमार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत होली गीतों से हुई । इस अवसर पर पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल अधिकारी एवं उप-महाप्रबंधक रतीश कुमार सिंह, पूर्व कॉर्पोरेटर शशि रेखा एवं सरला प्रकाश, मर्म चिकित्सक कार्तिक,जय भारतीय राजपूताना स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजयसिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। समिति के संस्थापक अध्यक्ष ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएँ दीं और अपने संबोधन में आपसी भाईचारा एवं प्रेम बनाए रखने की अपील की। इस कार्यक्रम में पुष्कर कुमार को मकर संक्रांति समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु, चंदासिंह, अनीतासिंह एवं आराध्या को गणतंत्र दिवस समारोह में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

धर्मगुरु दीवान माधवसिंह का मैसूरु में हुआ भव्य स्वागत

मैसूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीर नगर स्थित कर्नाटक सीरवी समाज द्वारा आईमाता मंदिर में शनिवार को आई पंथ के धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी की शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं। धर्मगुरु ने आई माता मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती की।

इसके बाद उपस्थित सीरवी परिवारों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के इतिहास में आईमाता का धर्म रथ भेल दक्षिण भारत में प्रथम बार मैसूरु में आगमन हुआ था, उसके बाद हर प्रान्त में आज धर्म रथ पहुँचकर अपने धर्म का प्रचार एवं माताजी द्वारा बताए गए 11 नियमों का प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को अपने धर्म के प्रति जागरूक करना चाहिए और रोजाना नजदीकी आईमाता बडेर जाकर आई माता का आशीर्वाद लेना चाहिए। साथ ही समाज के पदाधिकारियों ने धर्मगुरु का सम्मान किया व नजराना पेश किया। इस अवसर पर कर्नाटक सीरवी समाज के कोटवाल हेमाराम मुलेवा, अध्यक्ष ओगड़राम हाम्बड़, उपाध्यक्ष अबाराम चोयल, सचिव अमराराम बर्फ़ा, कोषाध्यक्ष बाबूलाल राठौड़, सलाहकार राजेंद्र हाम्बड़, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष जयराम चोयल, महिला मंडल की अध्यक्षा लीलादेवी सहित बड़ी संख्या में लोगो ने भाग लिया। मंच का संचालन भैराराम सौलंकी व मंगलाराम काग ने किया।

दादी भक्तों ने दादी के संग खेली चन्दन व फूलों की होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में टुमकूर रोड स्थित एक फार्म हाउस पर होली का त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर फूल, चंदन, इत्र, गुलाबजल आदि के साथ दादी भक्तों ने होली खेली।

शुक्रवार को सुबह सती दादी का फूलों से श्रृंगार कर दरबार सजाया गया। विधि विधान से पूजन कर स्थानीय गायक रामसुंदर बगड़िया, किशन बगड़िया, अनूप अग्रवाल ने भजन व धमाल की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने सभी भक्तों को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सुरेन्द्र अग्रवाल का सम्मान संजय नोपानी, विनय राय, संजय चौधरी, प्रकाश चौधरी एवं संतोष टेकड़ीवाल ने किया। उपाध्यक्ष गंगाधर मोर, संयोजक संदीप झुनझुनवाला, सुशील तुलस्यान, विजय भुवानिया, मनीष चौधरी, विकास झुनझुनवाला आदि ने व्यवस्था संभाली।

विल्सनगार्डन संघ ने किया दीक्षार्थी दिलीप धोका का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन में शुक्रवार को रायचूर निवासी दीक्षार्थी दिलीपचन्द धोका का सम्मान किया गया। राजुल महिला मण्डल की सदस्याओं व संघ के पारसमल कटारिया ने मंगलगीत व स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। दिलीपचंद धोका ने वैराग्य भाव एंव समर्पण भाव के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द भंसाली, मंत्री सज्जनराज बोहरा, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद पिछोलिया, संघ के संरक्षक प्रकाशचन्द बम्ब, धर्मीचन्द खारीवाल, उपाध्यक्ष महावीरचंद मकाना, गौतमचन्द कटारिया, पीरचन्द ओस्तवाल आदि ने दीक्षार्थी का सम्मान किया। महिला मण्डल द्वारा दीक्षा मंगल गीत का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मीठालाल ज्ञानेन्द्रकुमार मकाना परिवार की ओर से प्रभावना दी गई।

पूनम मेले पर नाकोड़ा तीर्थ में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फाल्गुन पूनम मेला के अवसर पर दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ, अरसीकेरे में महा भैरवदेव को गुलाल से तिलक कर होली मनाने भक्तों की भीड उमड़ी। लाभार्थी रमेशकुमार हर्षकुमार लुंकड़ परिवार द्वारा रेल यात्रा द्वारा विशाल संघ का आयोजन किया गया। तीर्थ पर परमात्मा एवं भैरवदेव को हार, अष्टप्रकारी थाल एवं सुकडी अर्पण के पश्चात पार्श्व भैरव महापूजन में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बेंगलूरु के विधिकारक तुषारगुरु ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पूजन विधि संपन्न कराने के पश्चात भैरवदेव को परंपरागत छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना आदि विविध लाभार्थियों द्वारा संपन्न हुआ। संभव संगीत मंडल के साथ दिलखुश बाफणा, प्रकाश राठोड़, रिंकू बाफणा, प्रेमलता एवं हेमा कोठारी ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्कूल में दिया सहयोग

बेंगलूरु के कर्नाटक मारवाड़ी समाज के सदस्यों ने जयनगर स्थित रानी सरलादेवी स्कूल में खेल सामग्री का वितरण किया एवं खेल मैदान का उद्घाटन किया। इस खेल सामग्री वितरण में हॉकी किट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल और कैरम बोर्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर कर्नाटक मारवाड़ी समाज के सदस्यों ने सामुदायिक विकास और युवाओं के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com